" दीप हैं जलते रहेंगे, हम प्रलय की आँधियों से अन्त तक लड़ते रहेंगे।"

पूर्वोत्तर भारत शिलचर (असम) से प्रकाशित लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

प्रेरणा भारती

प्रेरणा भारती NEWS NETWORK

www.preranabharati.com Email: preranabharati@gmail.com

Postal Registration No.RN-SC-36/2023-25 (RNI No.) ASSHIN/2016/69550 अंक - 195 वर्ष -11 अषाढ़ शुक्ल अष्टमी 2082 बृहस्पतिवार (23 जुलाई 2026) मूल्य-5 रुपये, पृष्ठ-6, preranabharati@gmail.com

हरिदर्शन
HARIDARSHAN
हमारे यहाँ धार्मिक पुस्तक के साथ पूजा-पाठ, हवन-पूजन की सामग्री उचित मूल्य पर प्राप्त करें
मेहरपुर, शिलचर, असम-788015
मो.नं. 9435213512,

सोनम वांगचुक खत्म करेंगे अनशन, सरकार के नाम लिखा पत्र; रखी ये शर्त

नई दिल्ली (एजें)) २२ जुलाई : सोनम वांगचुक ने केंद्रीय मंत्री जे. पी. नड्डा और डॉ. जितेंद्र सिंह को संबोधित करते हुए चिट्ठी में लिखा, 'कल रात अस्पताल में मुझसे मिलने और मेरा अनशन खत्म करने की आपकी अपील के लिए धन्यवाद। हमारी बातचीत के दौरान, आपने मुझे भरोसा दिलाया कि सरकार इन बातों पर सकारात्मक रूप से विचार करेगी।'परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को उचित मुआवजा देना।जवाबदेही तय करने के लिए संसद में सार्थक चर्चा, जिसमें माननीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर विचार करना भी शामिल है। सोनम वांगचुक ने आगे लिखा, 'पुलिस की ज्यादती और जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग के बावजूद २० जुलाई २०२६ का चलो संसद मार्च बहुत शांतिपूर्ण रहा। पूरे देश और दुनिया ने लोकतांत्रिक विरोध के प्रति उनके धैर्य और प्रतिबद्धता को देखा।'

वांगचुक ने आगे लिखा, 'मुझे पूरी उम्मीद है कि लोकतांत्रिक संस्थाओं में इस भरोसे को किसी भी कानूनी मामले, उत्पीड़न या इसमें शामिल लोगों के खिलाफ बदले की भावना से की गई कार्रवाई से कमजोर नहीं किया जाएगा।' अनशन खत्म करने के लिए सरकार के सामने रखी ये शर्त-सोनम वांगचुक ने जे. पी. नड्डा और डॉ. जितेंद्र सिंह को अनशन को लेकर अपने फैसले के बारे में आगे बताते हुए लिखा, 'आपकी यात्रा के बाद अलग-अलग राजनीतिक दलों के लगभग ६५ सांसदों ने मुझे पत्र लिखा है। कुछ लोग पहले ही आ चुके हैं और बाकी के आज शाम तक आने की उम्मीद है। उन सभी ने मुझसे अपना अनशन खत्म करने का आग्रह किया है और याद दिलाया है कि मुझे अभी देश की सेवा में बहुत काम करना है।' वांगचुक ने आगे लिखा, 'मैं उनसे सहमत हूं। मैं जीना चाहता हूं। मैं अपने छात्रों, शिक्षा और उस काम में लौटना चाहता हूं, जिसने मेरे जीवन को एक पहचान दी है। लेकिन मैं उन युवाओं की कीमत पर ऐसा नहीं कर सकता जिनके लिए यह आंदोलन शुरू हुआ था।'सोनम वांगचुक ने सरकार से अपील करते हुए लिखा, 'मैं सरकार से सम्मानपूर्वक यह स्पष्ट आश्वासन चाहता हूं कि इस आंदोलन में भाग लेने वाले किसी भी युवा प्रदर्शनकारी को किसी दंडात्मक या प्रतिशोधात्मक कानूनी कार्रवाई का सामना नहीं करना पडे।'वांगचुक ने कहा, 'अगर ऐसा आश्वासन दिया जाता है, तो मैं इस भरोसे के साथ ⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

असम के १६ जिले बाढ़ से प्रभावित इलाकों का मुख्यमंत्री, मंत्री-विधायक कर रहे दौरा

गुवाहाटी, २२ जुलाई (हि.स.)। असम के १६ जिले वर्तमान समय में बाढ़ से प्रभावित हैं। सबसे अधिक प्रभावित जिलों उपरी असम के शिवसागर, चराईदेव एवं जोरहाट शामिल हैं। असम आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से जारी २१ जुलाई के आंकडों के अनुसार राज्य के १६ जिलों के ८७२ गांवों की ५,६४,६६० आबादी बाढ़ से प्रभावित है। वहीं, बाढ़ के पानी में २४२१०.३५ हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है।दिल्ली से लौटने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा बुधवार को उपरी असम के जोरहाट, शिवसागर एवं चराईदेव जिलों के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर आश्रय शिविरों में रह रहे लोगों से मुलाकात कर उनको सरकार की ओर से हर संभव सहायता मुहैया कराने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने बाढ़ के दौरान जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों को एक मुश्त ४ लाख की आर्थिक सहायता दिए जाने का आश्वासन दिया। उन्होंने बाढ़ प्रभावित प्रत्येक परिवार को यह भरोसा दिया कि सरकार हर समय उनके साथ खडी है। क्षतिग्रस्त घरों के पुनर्निर्माण की सरकार पूरी व्यवस्था करेगी।

इसी कडी में बीते तीन दिनों से असम सरकार के मंत्री केशव महंत, पीयूष हजारिका, अजंता नेओग, बिमल बोरा, सुशांत बोरगोहाई, विधायक मृणाल सैकिया, रूपज्योति कुर्मी, अखिल गोगोई समेत अन्य नेता बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर प्रभावितों की मदद के लिए हर संभव मदद कर रहे हैं।उल्लेखनीय है कि, बीते २१ जुलाई को शिवसागर, चराईदेव, जोरहाट एवं गोलाघाट में बाढ़ से २१ लोगों की जान चली गयी। जबकि, बडी संख्या में पशुओं की भी जान गयी है। आज भी कुछ लोगों की मौत बाढ़ के पानी के चलते हुई है, लेकिन आधिकारिक तथ्य प्रकाश में नहीं आए हैं।बाढ़ में राहत एवं बचाय अभियान में एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं (एफ एंड ईएस), सर्कल कार्यालय/स्थानीय प्रशासन, नागरिक सुरक्षा/प्रशिक्षित स्वयंसेवक और अग्निशमन विभाग जुटा हुआ है। राज्य ⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

बाढ़ पीड़ितों के परिजनों को ४ लाख की अनुग्रह राशि देगी असम सरकार : मुख्यमंत्री

सोनारी (असम), २२ जुलाई (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने बुधवार को सोनारी में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर घोषणा की कि बाढ़ में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को राज्य सरकार की ओर से फिलहाल तत्काल चार लाख की अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि अगले चरण में और भी कुछ इन्हें दिया जा सकता है।मुख्यमंत्री ने राहत कार्यों की समीक्षा के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि जिला प्रशासन के माध्यम से बाढ़ प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि कुछ गांवों तक अब भी राहत सामग्री नहीं पहुंच पाई है, क्योंकि वहां तक पहुंचने का कोई रास्ता नहीं है।उन्होंने कहा कि दुर्गम क्षेत्रों में हवाई मार्ग से भी राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है, लेकिन प्रत्येक प्रभावित व्यक्ति तक सीधे हवाई माध्यम से सहायता पहुंचाना व्यावहारिक रूप से चुनौतीपूर्ण है।मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है ताकि सभी बाढ़ प्रभावित परिवारों तक जल्द से जल्द राहत सामग्री पहुंचाई जा सके।

कछार पुलिस ने सात अभियानों में १३ अपराधियों को किया गिरफ्तार

कछार , २२ जुलाई (हि.स.)। कछार जिला के विभिन्न इलाकों में पुलिस द्वारा बीते दो दिनों में चलाए गये सात अभियानों में कुल १३ लोगों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान मादक पदार्थ, यूरिया खाद, भारी मात्रा में हेरोइन, गांजा, याबा टैबलेट्स एवं अन्य सामग्री बरामद किया गया है।कछार पुलिस मुख्यालय द्वारा बुधवार को दी गयी जानकारी के अनुसार पिछले दो दिनों में सात अभियान चलाए गए। इस दौरान कचुदारम थाना क्षेत्र से दस साबुनदानी में छिपाए गये संदिग्ध हेरोइन (११९.११ ग्राम) और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। इस मामले में एक आरोपित को पकडा गया।

वहीं, धोलाई थाना की पुलिस द्वारा रोके गए एक ऑटो-रिक्शा से चार साबुनदानी में छिपाकर लाए गये संदिग्ध हेरोइन (४९ ग्राम) बरामद कर एक आरोपित को पकडा गया। इसी कडी में सिलचर थाना क्षेत्र की पुलिस ने २.११३ किलोग्राम संदिग्ध गांजा बरामद कर दो आरोपित को गिरफ्तार किया।कछार जिला मुख्यालय शहर सिलचर बाईपास इलाके से २६ शीशियों में छिपाकर लाए गये संदिग्ध हेरोइन (०.७९ ग्राम) बरामद किया गया। इस मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया गया।जिरीघाट थाना की पुलिस ने एक मोटरसाइकिल से २० साबुनदानी में छिपाकर लाए गये संदिग्ध हेरोइन (२३४ ग्राम) बरामद किये गये। साथ ही एक आरोपित को पकडा गया।सिलचर थाने की पुलिस ने एक वैगनआर (एएस-११सी-४४६१) से संदिग्ध याबा टैबलेट (२४,००० टैबलेट) बरामद किया गया। पुलिस ने एक गाडी और चार मोबाइल फोन जब्त किए। इस मामले में तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया गया।धोलाई थाना क्षेत्र के लैलापुर इलाके से दो ट्रकों से भारत यूरिया फर्टिलाइजर के १,०५० बैग (प्रत्येक ४५ किलोग्राम) बरामद किये गये। इस मामले में चार आरोपितों को गिरफ्तार किया गया।सातों अभियानों में बरामद कुल संदिग्ध हेरोइन के ३४ साबुन के डिब्बे व २६ शीशियां (४०२.९० ग्राम), संदिग्ध याबा टैबलेट (२४,००० टैबलेट), संदिग्ध गांजा (२.११३ किलो), भारत यूरिया फर्टिलाइजर के १,०५० बैग शामिल हैं। वहीं एक वैगनआर कार, एक ऑटो-रिक्शा, एक बाइक, दो ट्रक और पांच मोबाइल फोन जब्त किए गए।

असम बाढ़: मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने सोनारी का दौरा किया, कहा कि नुकसान उम्मीद से ज़्यादा है

चराईदेउ: (अर्णव शर्मा) २२ जुलाई : असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बुधवार को चराईदेउ जिले के सोनारी के बाढ़ से तबाह इलाकों का दौरा किया और मौजूदा बाढ़ की स्थिति को 'अभूतपूर्व' बताया, और कहा कि तबाही का पैमाना शुरू में लगाए गए अनुमान से कहीं ज़्यादा है।अपने दौरे के दौरान, मुख्यमंत्री ने डूबे हुए गांवों का मुआयना किया, राहत कैंपों में पनाह लिए बेघर परिवारों से बातचीत की, और जिले के अधिकारियों के साथ चल रहे बचाव और राहत कामों का रिव्यू किया। उन्होंने दूर-दराज और दुर्गम इलाकों में फंसे लोगों तक पहुंचने में बचाव टीमों के सामने आने वाली चुनौतियों का भी अंदाजा लगाया।मीडिया से बात करते हुए, सरमा ने कहा कि बडी संख्या में लोग राहत कैंपों में पनाह लेने को मजबूर हैं, जबकि कई अन्य लोग बढते बाढ़ के पानी में फंसे हुए हैं। उन्होंने मरने वालों की बढती संख्या पर चिंता जताई, और कहा कि कई शव पहले ही बरामद किए जा चुके हैं और बचाव काम जारी रहने पर और भी शव मिलने की आशंका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (NDRF), स्टेट डिजास्टर ⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

एनएफएसए लाभार्थियों को मसूर दाल और चीनी वितरण की तैयारियों की मंत्री कौशिक राय ने की समीक्षा

गुवाहाटी, २२ जुलाई (हि.स.)। असम के खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले मंत्री कौशिक राय ने बुधवार को जनता भवन में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के लाभार्थियों को मसूर दाल और चीनी के वितरण की तैयारियों की समीक्षा की।समीक्षा बैठक में मसूर दाल और चीनी की खरीद, आपूर्ति तथा वितरण व्यवस्था की प्रगति का आकलन किया गया। विभागीय अधिकारियों और नाफेड के प्रतिनिधियों ने योजना के क्रियान्वयन की स्थिति से मंत्री को अवगत कराया।कौशिक राय ने अधिकारियों और नाफेड के प्रतिनिधियों को निर्देश दिया कि सभी पात्र लाभार्थियों तक आवश्यक खाद्य सामग्री समय पर पहुंचाने के लिए आपसी समन्वय बनाए रखें और वितरण व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाएं। उन्होंने निर्धारित समयसीमा का सख्ती से पालन करने तथा आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने पर भी जोर दिया।मंत्री ने कहा कि असम सरकार खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार कार्य कर रही है कि सभी पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पारदशी, प्रभावी और समयबद्ध तरीके से पहुंचे।बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव बिस्वरंजन समल, सचिव अनुसूया दत्त बरुवा, आयुक्त हेमंत भुइयां सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

भाषा शहीदों के अधिकारों की रक्षा हर कीमत पर करने का संकल्प

प्रे.सं. शिलचर, २१ जुलाई। असम में बांग्लाभाषी लोगों के भाषाई अधिकार लगातार सीमित किए जा रहे हैं और विभिन्न कूटनीतिक तरीकों से बंगाली समाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। भाषा शहीदों के बलिदान से प्राप्त अधिकारों की हर कीमत पर रक्षा करनी होगी्यही संकल्प सभी को लेना होगा।अमर २१ जुलाई भाषा शहीद दिवस एवं भाषा आंदोलन के शहीदों के आत्मबलिदान की ४०वीं वर्षगांठ के अवसर पर बराक नागरिक संसद की ओर से शिलचर प्रेस क्लब में आयोजित श्रद्धांजलि एवं विचार-विमर्श कार्यक्रम में वक्ताओं ने यह बात कही।कार्यक्रम का मुख्य विषय था् ङ्क्या असम में बांग्ला भाषा का अधिकार लगातार सीमित होता जा रहा है? इस अवसर पर नागरिक संसद के प्रधान महासचिव शंकर दे, २१ जुलाई भाषा आंदोलन के नेता तथा तत्कालीन 'बराक घाटी संघर्ष समन्वय समिति' के मुख्य संयोजक मिहिरलाल राय, आंदोलन से जुडे शरीफ-उज-जमान लस्कर, आकसा के सलाहकार रूपम नंदीपुरकायस्थ, कवि-संवाददाता स्मृति पाल नाथ, कवि एवं समाजसेवी शतदल आचार्य, पत्रकार अभिजीत भट्टाचार्य, समाजसेवी राजदीप दाम, विष्णुपुरिया साहित्य सभा के केंद्रीय अध्यक्ष किरण रास तथा समाजसेवी बहार अहमद चौधरी सहित अन्य वक्ताओं ने अपने विचार रखे।वक्ताओं ने कहा कि भाषा शहीदों का बलिदान केवल स्मरण करने का विषय नहीं, बल्कि उनके बलिदान से प्राप्त भाषाई अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करने की प्रेरणा है।

कछार में २.४ करोड़ रुपये की संदिग्ध याबा टैबलेट जब्त, तीन गिरफ्तार

गुवाहाटी, २२ जुलाई (हि.स.)। असम पुलिस ने मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान के तहत कछार जिले में बडी सफलता हासिल करते हुए लगभग २.४ करोड़ रुपये मूल्य की २४,००० संदिग्ध याबा टैबलेट जब्त की हैं। इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने बुधवार को सोशल मीडिया पर इस कार्रवाई की सराहना करते हुए इसे नशे के कारोबार के खिलाफ जारी अभियान में एक और बडी सफलता बताया। उन्होंने कछार पुलिस के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि राज्य सरकार 'असम अगेंस्ट ड्रग्स' अभियान के तहत मादक पदार्थों के नेटवर्क के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखेगी।

असम : बाढ़ में फंसे यात्रियों के लिए चलाई जा रही अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनें

गुवाहाटी, २२ जुलाई (हि.स.)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) के तिनसुकिया मंडलाधीन शिवसागर जिले के शिमलगुडी शहर और आस-पास बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने के कारण, रेल यात्रियों की सुरक्षा और परिचालन ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए शिमलगुडी-नामतिआलि और शिमलगुडी-सेलेंगहाट सेक्शनों के बीच ट्रेन सेवाएं रोक दी गई हैं। इसके परिणामस्वरूप, डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया से आने-जाने वाली लंबी दूरी की कई ट्रेनों का रूट परिवर्तन कर उसे वाया रंगिया-रंगापाडा नॉर्थ-डिब्रूगढ़ होकर चलाया जा रहा है। कुछ सेवाओं को बीच में ही किसी सुरक्षित स्टेशन पर रोक दिया गया है या फिर वहीं से यात्रा प्रारंभ की गयी है और कुछ ट्रेनों को रद्द भी कर दिया गया है। इन ⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

बाढ़ प्रभावित ऊपरी असम में २४ जुलाई तक इमरजेंसी मोबाइल रोमिंग सुविधा लागू

गुवाहाटी, २२ जुलाई (हि.स.)। बाढ़ प्रभावित ऊपरी असम के लोगों को निर्बाध संचार सुविधा उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार ने विशेष आपातकालीन दूरसंचार व्यवस्था लागू की है। इसके तहत शिवसागर, चराईदेव और जोरहाट जिलों में इंट्रा-सर्किल रोमिंग (आईसीआर) सुविधा २४ जुलाई, २०२६ तक के लिए सक्रिय कर दी गई है।दूरसंचार विभाग (डीओटी) द्वारा शुरू की गई इस व्यवस्था के तहत यदि किसी क्षेत्र में किसी उपभोक्ता के मोबाइल सेवा प्रदाता का नेटवर्क उपलब्ध नहीं है, तो वह वहां मौजूद किसी अन्य दूरसंचार कंपनी के नेटवर्क का उपयोग कर सकेगा। बाढ़ के कारण दूरसंचार ढांचे को हुए नुकसान के बीच इस पहल से संचार सेवाएं बाधित होने की ⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

नशा मुक्त भारत के लिए युवाओं को किया जागरूक

प्रेसं.काबुगंज:२२ जुलाई : विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा अभियान के तहत मेरा युवा भारत (चध इहरीरीं), कछार के तत्वावधान में जनता कॉलेज, काबुगंज में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा नशामुक्त और स्वस्थ समाज के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन जनता कॉलेज के प्राचार्य डॉ. देबाशीष पॉल ने किया। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने और स्वस्थ समाज के निर्माण में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे के खतरों के प्रति सजग रहने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का आह्वान किया।कार्यक्रम में पालंगहाट मॉडल अस्पताल की चिकित्सा अधिकारी डॉ. सोनम पांडे और मनोवैज्ञानिक डॉ. मिथुन राय ने संसाधन व्यक्ति के रूप में विद्यार्थियों को संबोधित किया। डॉ. सोनम पांडे ने नशे के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर पडने वाले गंभीर दुष्प्रभावों की जानकारी दी। उन्होंने नशे की लत से होने वाली स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं, मानसिक समस्याओं और निर्भरता के प्रति आगाह करते हुए समय पर जागरूकता और विशेषज्ञों की सहायता लेने पर जोर दिया।डॉ. मिथुन राय ने नशे के मनोवैज्ञानिक और सामाजिक प्रभावों पर प्रकाश ⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

किशोर के कंधे पर नशे का बोझ! बाबुर बाजार में भारी मात्रा में नशीले पदार्थों के साथ १४ वषीय नाबालिग पकडा गया

प्रे.सं. बाबुर बाजार:२२ जुलाई : नशा तस्करी के लिए अब नाबालिगों के इस्तेमाल की आशंका ने अभिभावकों और समाज की चिंता बढा दी है। बाबुर बाजार क्षेत्र में पुलिस ने एक १४ वषीय नाबालिग को भारी मात्रा में नशीले पदार्थों के साथ पकडा है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई।पुलिस सूत्रों के अनुसार, इरानी थाने की पुलिस को सोमवार सुबह गुप्त सूचना मिली थी कि एक नाबालिग के माध्यम से नशीले पदार्थों की डिलीवरी की जा रही है। सूचना मिलते ही महकमा पुलिस अधिकारी के नेतृत्व में पुलिस ने बाबुर बाजार इलाके में अभियान चलाया।अभियान के दौरान संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर १४ वषीय नाबालिग को पकडक़र उसकी तलाशी ली गई। उसके पास मौजूद एक बैग से भारी मात्रा में नशीले पदार्थ बरामद किए गए।पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान नाबालिग ने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति ने उसे उक्त सामग्री किसी अन्य व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए दी थी। निर्देश के अनुसार वह बाबुर बाजार पहुंचा था, लेकिन डिलीवरी से पहले ही पुलिस के हत्थे चढ़ गया।पुलिस ने बरामद नशीले पदार्थों को जब्त कर मामले की जांच शुरूकर दी है। नाबालिग को कथित तौर पर किसने इस्तेमाल किया, इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं तथा इसके पीछे किसी बडे तस्करी गिरोह का हाथ है या नहीं्इन सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।अभियान में इरानी थाने के सेकेंड ऑफिसर सहित बडी संख्या में पुलिसकमी और टीएसआर जवान भी मौजूद थे। पुलिस की कार्रवाई की स्थानीय लोगों ने सराहना की है। हालांकि, नशा तस्करी में नाबालिगों के इस्तेमाल की आशंका ने एक गंभीर सवाल खडा कर दिया है्क्या तस्कर अब कानून की नजर से बचने के लिए किशोरों को अपने नेटवर्क में मोहरा बना रहे हैं?

१६वें बजट सेशन में फिर से बाढ़ कंट्रोल और सिचुएशन मैनेजमेंट, पंचायत और ग्रामीण विकास, और महानगर के बड़े डेवलपमेंट के लिए सरकार के प्लान

सनी रॉय, गुवाहाटी, २२ जूलाई: १६वें बजट सेशन का अगला चैप्टर बुधवार को शुरू हुआ। सुबह ९ बजे से सवाल-जवाब सेशन में सभी मौजूद थे, लेकिन कुछ बाढ़ प्रभावित इलाकों के चडअ, मुख्यमंत्री और जरूरी डिपार्टमेंट के इंचार्ज दो-तीन मंत्री गैर-मौजूद थे। बताया जा रहा है कि वे बाढ़ प्रभावित इलाकों में लोगों का हालचाल जानने के लिए फील्ड में गए हैं। हालांकि, आज के सेशन में बडे प्लान, मांगें और प्रपोजल थे। गौरतलब है कि विपक्षी पाटी, यानी कांग्रेस के चडअी ने पहले बाढ़ को कंट्रोल करने और उससे निपटने के लिए सरकार के कदमों पर चर्चा करने के लिए सदन को दो दिन के लिए स्थगित करने का प्रपोजल दिया। हालांकि, इस मांग के जवाब में मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा कि सरकार चर्चा का इंतजार नहीं कर रही है, बल्कि उसे लागू करने का इंतजार कर रही है, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा के कहने पर पाटी के चडअी और मंत्री देश भर में लोगों की मदद के लिए निकले हैं। इस बीच, पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग के विकास की अलग-अलग योजनाओं पर विपक्ष के सवालों के जवाब में मंत्री अतुल बोरा ने कहा कि सरकार ने जल्द ही हर खाली पोस्ट को भरने के लिए कदम उठाए हैं, MGNREGA का नाम बदलकर तइ जी राम ⇨ शेषांश पृष्ठ ३ पर

!! नकारात्मक विचारों का आना तय है, परन्तु यह आप पर निर्भर करता है कि आप उन्हे कितना महत्व देते हैं। !!

सम्पादकीय.....

नशीली दवाओं से लडाई

पिछले कुछ सालों से, केरल में ऐसे युवाओं की जमात बडी हो रही है जो नारकोटिक दवाओं और तस्करी से लाये गये प्रतिबंधित/साइकोट्रोपिक पदार्थों की लत की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। एक दशक पहले शराब पर रोक के बाद राज्य में मादक पदार्थों के सेवन की ओर झुकाव बढने के चिह्न साफ जाहिर थे। लेकिन सिंथेटिक नशे के सौदागरों द्वारा कानून प्रवर्तन एजेंसियों को धता बताने के लिए डिजिटल तकनीक और सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने से इस समस्या ने विकराल रूप ले लिया। कोविड-१९ की मार वाले वर्षों २०२०-२१ में राज्य में दर्ज हुए एनडीपीएस के मामलों में कमी आयी, लेकिन साल २०२१ के ५,६९५ के मुकाबले साल २०२२ में ये बढक़र २६,६१९ हो गये। साल २०२५ में संख्या बढक़र ३६,३१४ हो गयी, साथ ही तस्करी से लाये गये पदार्थों की कारोबारी खेपों की बडे. पैमाने पर जब्ती हुई। कारोबारी राजधानी एर्नाकुलम शहर की इसमें काफी बडी हिस्सेदारी रही। कई एजेंसियों की कोशिशों के बावजूद सफलता सीमित रही है। यूडीएफ सरकार ने जून में 'ऑपरेशन तूफान' शुरू करके नशीली दवाओं के खिलाफ प्रवर्तन अभियान को सुचारु और समन्वित बनाने की कोशिश की। इसके तहत, राज्य पुलिस ने दक्षिणी राज्यों के पुलिस बलों, केंद्रीय एजेंसियों, और राज्य के शिक्षा, स्वास्थ्य और आबकारी विभागों के साथ मिलकर काम किया।

एकजुट प्रवर्तन, जन भागीदारी, पीडतिों के पुनर्वास और तेज व प्रभावी अभियोजन पर ध्यान केंद्रित करते हुए, इस ऑपरेशन के तहत, १५ जुलाई तक, लगभग ७,१०० मामलों में ७,६०० से ज्यादा ड्रग विक्रेता हत्थे चढे.हैं, साथ ही बरामदगी का बडा हिस्सा सिंथेटिक नशीले पदार्थों का है। यह देखते हुए कि नारकोटिक्स के मामले अक्सर शंका-योग्य फॉरेंसिक जांच के कारण कमजोर पड.जाते हैं, मौजूदा अभियान में इस मुद्दे पर खास ध्यान दिया गया है। नशे के सौदागरों का नेटवर्क अक्सर इतना जटिल होता है कि जांच में ज्यादातर छोटी मछलियां ही फंसती हैं। समुदाय को 'तूफान' योद्धाओं के रूप में साथ लाने के अलावा, इस अभियान का लक्ष्य 'एन-कॉर्ड' (छउजठऊ) फ्रेमवर्क के तहत राष्ट्रीय खुफिया-सूचना साझेदारी एवं समन्वय प्रणालियों को मजबूत बनाना है, जिसमें गिरफ्तार नाकी-अपराधियों का 'निदान' (NIDAAN) डेटाबेस भी शामिल है। केरल के गृह मंत्री रमेश चेन्नितला कार्रवाइयों में संयुक्त प्रयास की पैरवी के लिए मुख्यमंत्रियों से मुलाकात कर रहे हैं। राज्य बेहतर तालमेल के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने की प्रक्रिया में हैं, साथ ही एक प्लेटफार्म भी तैयार किया जा रहा है। चूंकि ये गैरकानूनी धंधे माल लाने-ले जाने वालों को भती करने, आपस में समन्वय बनाने और डिलीवरी करने के लिए नये-नये तरीके अपनाते हैं, इसलिए इन नेटवर्कों का भंडाफोड. करने के लिए जरूरी है कि केरल 'डिस्ट्रिक्ट एंटी-नारकोटिक्स स्पेशल ऐक्शन फोर्स' (ऊअछडअक्र) के कर्मियों का कौशल अत्याधुनिक स्तर का बनाए। उतना ही महत्वपूर्ण साइबर फॉरेंसिक क्षमताओं को मजबूत करना भी है, ताकि इन मामलों को वाजिब अंजाम तक पहुंचाने में न तो तफ्तीश और न ही अभियोजन में कोई कमी रहे। समाज पर नारकोटिक्स के बुरे असर बहुतेरे हैं, और उनसे रक्षा के उपाय करने के लिए कभी देर नहीं होती।

भारतीय मजदूर संघ : श्रमिक चेतना का राष्ट्रवादी अध्याय

विपिन बिहारी पाठक

श्रम का राष्ट्रीयकरण करें, उद्योग का श्रमिकीकरण करें और राष्ट्र का औद्योगीकरण करें।-दत्तोपंत ठेंगडी

यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि राष्ट्रऋषि दत्तोपंत ठेंगडी के श्रम-दर्शन का सार है। उन्होंने भारतीय श्रमिक आंदोलन को वर्ग संघर्ष की संकीर्ण सोच से निकालकर राष्ट्रनिर्माण की व्यापक अवधारणा से जोडा। यही कारण है कि आज भी भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) केवल एक ट्रेड यूनियन नहीं, बल्कि राष्ट्रहित, श्रमिकहित और उद्योगहित के संतुलन का एक विशिष्ट मॉडल माना जाता है।स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत वैचारिक संक्रमण के दौर से गुजर रहा था। विश्व का बडा हिस्सा साम्यवादी विचारधारा से प्रभावित था और भारतीय श्रमिक आंदोलन पर भी वामपंथी संगठनों का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता था। उस समय श्रमिक आंदोलनों में 'वर्ग संघर्ष' की अवधारणा प्रमुख थी। दत्तोपंत ठेंगडी ने इस सोच को भारतीय संस्कृति के अनुरूप नहीं माना। उनका विश्वास था कि श्रमिक, उद्योग और समाज एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक ही राष्ट्रीय परिवार के पूरक अंग हैं। इसलिए संघर्ष नहीं, सहयोग ही स्थायी विकास का मार्ग हो सकता है।

इसी विचार को व्यवहार में उतारने के लिए २३ जुलाई १९५५ को, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की जयंती के दिन, भोपाल में भारतीय मजदूर संघ की स्थापना हुई। इसकी शुरुआत अत्यंत साधारण परिस्थितियों में हुई। न कोई बडा संगठन, न सदस्यता, न कार्यालय और न ही आर्थिक संसाधन। केवल ३५ कार्यकर्ताओं के साथ प्रारंभ हुआ यह प्रयास आज देश के सबसे बडे. श्रमिक संगठनों में गिना जाता है।दत्तोपंत ठेंगडी का जन्म १० नवंबर १९२० को महाराष्ट्र के वर्धा जिले के अरवी में हुआ। छात्र जीवन से ही उनमें राष्ट्र और समाज के प्रति गहरी संवेदनशीलता थी। आगे चलकर वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक बने और संगठन निर्माण को अपना जीवन समर्पित कर दिया। भारतीय मजदूर संघ के अतिरिक्त उन्होंने भारतीय किसान संघ, स्वदेशी जागरण मंच और सामाजिक समरसता मंच जैसे अनेक संगठनों की स्थापना की। उल्लेखनीय है कि उन्हें पद्मभूषण सम्मान की घोषणा भी हुई, किंतु उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया।ठेंगडी जी की सबसे बडी विशेषता यह थी कि उन्होंने श्रमिक आंदोलन को राजनीतिक दलों की प्रतिस्पर्धा से अलग रखने का प्रयास किया। उनका मानना था कि ट्रेड यूनियन का मूल उद्देश्य श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करना है, न कि किसी राजनीतिक दल का विस्तार बनना। यही कारण है कि भारतीय मजदूर संघ ने स्वयं को दलगत राजनीति से अलग रखते हुए श्रमिकों के संगठन के रूप में विकसित किया। बीएमएस की वैचारिक पृष्ठभूमि भारतीय संस्कृति और 'एकात्म मानववाद' पर आधारित है। यह मानती है कि जीवन में विविधता अवश्य है, किंतु उसके मूल में एकता निहित है। इसलिए श्रमिक और उद्योगपति परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास यात्रा के सहभागी हैं। यदि दोनों के बीच विश्वास और सहयोग का वातावरण बने तो उत्पादन भी बढेगा और श्रमिकों का सम्मान भी सुरक्षित रहेगा।इसी सोच से प्रेरित होकर दत्तोपंत ठेंगडी ने 'अधिकतम उत्पादन और समान वितरण' का सिद्धांत दिया। उन्होंने पूंजीवाद की केवल उत्पादन-केंद्रित सोच और समाजवाद की केवल वितरण-केंद्रित सोच के स्थान पर संतुलित दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। उनका मानना था कि अधिक उत्पादन राष्ट्र का कर्तव्य है और उत्पादन के लाभ का न्यायपूर्ण वितरण श्रमिक का अधिकार।

भारतीय मजदूर संघ का प्रसिद्ध आदर्श वाक्य'हम राष्ट्रहित में काम करेंगे और पूर्ण वेतन की मांग करेंगे'आज भी श्रम और राष्ट्र के बीच संतुलन का संदेश देता है। यह नारा बताता है कि श्रमिक का संघर्ष केवल अधिकारों के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्रीय समृद्धि के लिए भी होना चाहिए।

दत्तोपंत ठेंगडी ने श्रमिक आंदोलन में राष्ट्रवादी नारों की भी नई परंपरा विकसित की। उन्होंने उस दौर के अंतरराष्ट्रीय क्रांतिकारी नारों के स्थान पर भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप विचार प्रस्तुत किए। 'श्रम का राष्ट्रीयकरण, उद्योग का श्रमिकीकरण और राष्ट्र का औद्योगीकरण' का उनका संदेश श्रमिक को केवल मजदूर नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माता के रूप में स्थापित करता है। बीएमएस ने 'औद्योगिक परिवार' की अवधारणा भी दी, जिसमें श्रमिक, प्रबंधन और समाज तीनों को विकास की साझी इकाई माना गया।

ठेंगडी जी ने स्व-रोजगार और पारंपरिक कारीगरों के महत्व को भी समय रहते पहचान लिया था। उन्होंने सुनार, लोहार, कुम्हार, दर्जी, नाई, धोबी जैसे पारंपरिक व्यवसायों को 'विश्वकर्मा क्षेत्र' की संज्ञा दी और इसे जनता का क्षेत्र बताया। यह दृष्टि आज 'आत्मनिर्भर भारत', 'मेक इन इंडिया' और कौशल विकास जैसे अभियानों के संदर्भ में और भी प्रासंगिक प्रतीत होती है।दत्तोपंत ठेंगडी केवल संगठनकर्ता ही नहीं, बल्कि गंभीर चिंतक और विपुल लेखक भी थे। उन्होंने हिंदी, अंग्रेजी और मराठी में अनेक पुस्तकों के माध्यम से श्रम, अर्थनीति, स्वदेशी और राष्ट्रवाद पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उनका मानना था कि आधुनिकीकरण आवश्यक है, परंतु उसका अर्थ पश्चिमीकरण नहीं हो सकता। विकास का भारतीय मॉडल भारतीय समाज, संस्कृति और परिस्थितियों के अनुरूप ही होना चाहिए।आज भारतीय मजदूर संघ देशभर में हजारों संबद्ध यूनियनों और व्यापक सदस्य आधार के साथ श्रमिक हितों की आवाज.बन चुका है। समय-समय पर उसने विभिन्न सरकारों की उन नीतियों का भी विरोध किया जिन्हें उसने श्रमिक हितों के प्रतिकूल माना। इससे स्पष्ट होता है कि उसका मूल आग्रह श्रमिक हित और राष्ट्रीय हित के संतुलन पर रहा है।दत्तोपंत ठेंगडी का जीवन हमें यह सिखाता है कि राष्ट्रनिर्माण केवल सरकारों का कार्य नहीं, बल्कि श्रमिक, किसान, उद्योग, समाज और संस्कृति-सभी के समन्वित प्रयास का परिणाम है। उन्होंने भारतीय श्रमिक आंदोलन को वैचारिक दिशा दी और यह विश्वास जगाया कि श्रम केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा का सर्वोच्च माध्यम भी हो सकता है। आज, जब भारत आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर है, तब ठेंगडी जी का श्रम-दर्शन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक और प्रेरणास्पद दिखाई देता है।(लेखक, भारतीय मजदूर संघ, उत्तर प्रदेश के मंत्री हैं।)

बनाइये हाथों-पैरों को सुंदर

शैली माथुर

सुंदर चेहरे के साथ-सुंदर हाथ-पैर भी हमारे व्यक्तित्व में निखार लाते हैं। जो हाथ पैर दिन भर हमारा साथ निभाते हैं, हम कई बार उनकी देखभाल पर पूरी तरह से ध्यान नहीं देते। ये भी हमारे शरीर के महत्त्वपूर्ण अंग हैं और इन अंगों की देखभाल भी उतनी ही जरूरी है जितनी त्वचा और बालों की।

हाथों व पैरों की देखभाल:-हाथों व पैरों की त्वचा व नाखूनों की देखभाल के लिए हफ्ते में एक बार मैनिक्योर व पैडिक्योर अवश्य करें। इसके लिए सबसे पहले एक टब में थोडा सा गुनगुना पानी लें। उसमें थोडा शैम्पू व हाइड्रोजन पैराक्साइड डालें। फिर ५-१० मिनट तक हाथों व पैरों को उसमें डुबो कर रखें। इसके पश्चात सॉफ्ट ब्रश से हाथों को पैरों व एडिय़ों को साफ करें और तत्पश्चात तौलिये से इनको पोंछ लें। हाथों व पैरों की किसी अच्छी कोल्ड क्रीम से मालिश करें तथा नाखूनों पर क्रीम लगाकर उनकी गंदगी को साफ करें। फिर दोबारा पानी में दो तीन मिनट डुबो कर तौलिये से पोंछ लें। इसके बाद अपनी मनपसंद नेल पॉलिश लगाएं।

मैनिक्योर के अतिरिक्त हाथों की देखभाल प्रतिदिन भी कर सकती हैं जैसे खाना बनाने के बाद, बर्तन, झाडू-पोंछा करने के बाद हाथों को अच्छी तरह से धोकर क्रीम अवश्य लगाएं। इससे हाथ नरम व साफ रहेंगे। पैरों को भी रोज सोते समय साफ अवश्य करें। इससे जहां नींद अच्छी आती है वहीं पैर भी साफ, सुंदर रहते हैं

सावधानियां:-मैनिक्योर, पैडिक्योर करते समय कुछ बातों पर भी ध्यान दें जिससे उन्हें कोई हानि न हो जैसे यदि हाथों में एक्जीमा हो, हाथों में छाले पडे.हो, या उंगली कहीं से कट गई हो तो मैनिक्योर नहीं करना चाहिए।

इसी प्रकार यदि पैर में छाले हैं तो मालिश करने की बजाय केवल गुनगुने पानी में नमक डालकर पैर उसमें रखें। एडी अधिक फटने पर यानी उनमें से खून आ रहा हो या नाखून में चोट लगी हो तो पैडिक्योर न करें। (उर्वशी)

ऐसे करें कीमती साडिय़ों की देखभाल

कर्मवीर अनुरागी

रेशमी व जरी की साडिय़ां ज्यादातर शादी-विवाह, पार्टी या पर्व त्यौहार पर ही पहनी जाती हैं और ऐसे समय में ही जाने-अनजाने चिकनाई या सब्जी का निशान, कॉफी या चाय का दाग उस पर पड.जाता है। अगर कुछ बातों का ध्यान रखें तो उनके दाग-धब्बे छुडाने, उन्हें धोने और सहेज कर रखने में आपको आसानी होगी।

भारी काम वाली साडिय़ों को यथासंभव अलमारी में हैंगर पर टांग कर रखना चाहिए।

अलमारी में पीछे की ओर ओडोनिल का पैकेट रखने से कीडे.लगने का भय नहीं रहता।

यदि जगह की समस्या हो व अलमारी में साडिय़ों को ढकने का समुचित प्रबंध न हो पाए तो किसी भी संदूक या अटैची में रखने से पहले उसमें नीम की सूखी पत्तियां अच्छी मात्रा में बिछा दें और साडी को अखबार या सूती कपडे.में लपेटकर रख दें। इससे कीडे. व सीलन साडी को नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगे। कभी भी इन भारी साडिय़ों के मध्य में गंध वाले कीटनाशक जैसे नेप्थलीन बॉल्स इत्यादि न रखें। इससे जरी काली पडने का भय रहता है।

साडी की तह हमेशा उल्टी ही करें अर्थात जरी का हिस्सा तह करने में अंदर की ओर रहे। इस प्रकार जरी आपस में रगड.नहीं खाएगी।

अलमारी में टंगी अथवा संदूक में रखी इन साडिय़ों की तह थोडे.अंतराल के पश्चात बदलते रहना चाहिए। अधिकतर चंदेरी, आरगंडी या बनारसी साडिय़ां एक ही तह में लंबे समय तक रखने से वे मोड.पर से फट जाती हैं।

यदि इन साडिय़ों पर हल्का-सा दाग लग भी जाए और उसे छुडाने का सही तरीका मालूम हो तो सिर्फ उसी स्थान को साफ कर लें। पूरी साडी कभी न धोएं। यदि साडी ज्यादा गंदी दिखे तो यथासंभव ड्राइक्लीन करवाने का प्रयत्न करें।

भारी साडिय़ां यदि फॉल पर से गंदी हो जाएं तो फॉल धोने की बजाय साडी का पूरा फॉल बदल देना अच्छा है। इन साडिय़ों को छाया में ही सुखाएं और हल्की नमी शेष रहने पर ही इस्तरी कर लें। इस्तरी करते समय साडी पर पतला कपडा रखें।

रेशमी व जरी की साडिय़ों में कलफ गोंद का ही लगाया जाता है। एक साडी के लिए दो लिटर पानी में एक चम्मच गोंद डालकर मिलाएं। फिर साडी उसमें कुछ क्षणों के लिए डुबोकर बहुत ही हल्के हाथ से दबाकर निकाल दें और धीरे से रस्सी पर फैला दें। ध्यान रहे कि रस्सी नाइलॉन की हो। तार आदि पर सुखाने से निशान पडने या जंग लगने का भी डर हो सकता है। दो-तीन बार पहनी गई भारी साडिय़ों पर हल्की-सी सिलवट पड.जाती है, अतः चरख उपलब्ध हो तो चरख चढवाने से उसमें नई चमक आ जाती है। साडी पहनते समय कम-से कम पिनों का प्रयोग करें। जरा-सा भी खिंचने पर पल्ले व प्लेटों के फटने का भय रहता है। जरी की साडी को हमेशा सेंट या इत्र की सुगंध से दूर रखें। सुगंध के कारण जारी के काले पडने की पूरी संभावना रहती है।

इन सावधानियों का ध्यान रखने से आपकी कीमती साडिय़ां हमेशा नई व चमकदार बनी रहेंगी और अपनी चमक से आपकी सुंदरता में चार चांद लगाती रहेंगी । (उर्वशी)

मनुष्य कर्ता नहीं, सिर्फ माध्यम भर है

सर्वेश तिवारी श्रीमुख

कुरुक्षेत्र में अपने समक्ष पितामह भीष्म, गुरु द्रोण, कृष्ण और दुर्योधन आदि समस्त बन्धु बांधवों को देख कर मोहग्रस्त हुए अर्जुन ने हाथ से गांडीव छोड. दिया और कहा, 'हे कृष्ण! मैं इन लोगों से कैसे युद्ध कर सकता हूँ? शास्त्र कहते हैं कि जो व्यक्ति अपने कुल-धर्म का विनाश करता है वह सदैव नरक में वास करता है। कुल का नाश होने पर सनातन कुल परम्परा नष्ट होती है और इस तरह शेष कुल भी अधर्म में प्रवृत्त हो जाता है। माना कि ये लोग लोभ के वश में आ कर हमारा अधिकार छीन रहे हैं पर हम तो लोभी नहीं हैं। हम इनका वध कैसे कर सकते हैं? मैं यह युद्ध नहीं कर सकता माधव। मैं पितामह भीष्म और गुरु द्रोण जैसे पूज्य व्यक्तियों पर वाण कैसे चलाऊंगा? भले दुर्योधन आदि मुझ निहत्थे को मार दें पर मैं युद्ध नहीं करूंगा।'

कृष्ण मुस्कुराए। वे अर्जुन के मोह को समझ रहे थे क्योंकि यह मोह केवल अर्जुन के हृदय में नहीं उपजा था बल्कि यह मोह समस्त मानव जगत के हृदय में बसता है। अपने परिजनों के प्रति प्रेम और श्रद्धा का भाव रखना हर सज्जन मनुष्य का लक्षण होता है। अर्जुन ने ठीक कहा था कि कुल का नाश होने पर कुल परम्परा नष्ट हो जाती है। मनुष्य को धर्म और परम्परा का प्रारम्भिक ज्ञान अपने कुल से ही मिलता है। यदि कुल ही समाप्त हो जाय तो पहले परम्पराएं टूटती हैं और एक दिन धर्म छूट जाता है।

कृष्ण ने कहा- 'हे अर्जुन। व्यक्ति को अपना कर्तव्य वर्तमान परिस्थितियों के आधार पर तय करना चाहिए। इस युद्धभूमि के बाहर तुम पाण्डुपुत्र अर्जुन हो पर युद्धभूमि के अंदर तुम केवल और केवल एक सैनिक मात्र हो। यहाँ तुम्हारा एक ही कर्तव्य है, युद्ध। तुम्हारा युद्ध छोडना अपने कर्तव्य की अवहेलना है, और अपने कर्तव्य को त्यागने से बडा अधर्म संसार में कोई नहीं। महत्वपूर्ण यह नहीं कि सामने कौन खडा है। महत्वपूर्ण बस यह है कि तुम योद्धा हो और तुम्हे अपना धर्म निभाना है। युद्धक्षेत्रा में खडा व्यक्ति यदि सहिष्णु हो जाये तो वह अपने राष्ट्र, धर्म और संस्कृति तीनों के लिए घातक होता है।

अर्जुन ने कहा, 'हे केशव! यह कार्य मैं ही क्यों करूँ? मेरा कर्तव्य इतना कठोर क्यों है कि वह मुझसे मेरे परिजनों का वध कराना चाहता है?'

श्रीकृष्ण बोले, 'हे अर्जुन! तुम इन्हें नहीं मारोगे तो क्या ये नहीं मरेंगे? पार्थ! मृत्यु जीवन का सबसे बडा सत्य है। जिस व्यक्ति का कार्य समाप्त हो चुका हो, उसे जाना ही पडता है।यही नियति है और मोह के वशीभूत हो कर नियति का विरोध करना अधर्म होता है। इस युद्ध में तुम्हारे समक्ष खडे. योद्धाओं की मृत्यु होनी ही है। इसे तुम नहीं रोक सकते। मनुष्य कर्ता नहीं, माध्यम भर होता है। जिस तरह तुम्हारी उंगलियों का आदेश पा कर तुम्हारे बाण कार्य करते हैं, उसी तरह परमात्मा का आदेश पा कर तुम कार्य करते हो। इसलिए अपना धर्म निभाओ पार्थ, धर्म निभाओ...। (उर्वशी)

सिंधु सभ्यता पर पाकिस्तान का दावा, कहीं छिपा एजेंडा तो नहीं?

-कौशल मूंदड़ा-

सिंधु सभ्यता को लेकर पाकिस्तान द्वारा हाल ही में अपनाए जा रहे रुख ने भारत के इतिहासकारों, पुराविदों और सांस्कृतिक विरासत के विशेषज्ञों के बीच गंभीर चिंता पैदा कर दी है। यदि समय रहते इस विषय पर तथ्याधारित अंतरराष्ट्रीय विमर्श नहीं हुआ तो यह विवाद केवल सांस्कृतिक दावेदारी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि विश्व इतिहास की सबसे प्राचीन नगरीय सभ्यताओं में से एक के स्वरूप, नाम और ऐतिहासिक व्याख्या को प्रभावित करने का प्रयास भी बन सकता है।किसी भी प्राचीन सभ्यता का मूल्यांकन आधुनिक राजनीतिक सीमाओं के आधार पर नहीं किया जा सकता। सिंधु सभ्यता का विकास उस समय हुआ था, जब न भारत एक आधुनिक राष्ट्र-राज्य था और न ही पाकिस्तान का अस्तित्व था। इसलिए किसी वर्तमान राष्ट्र द्वारा उस पूरी सभ्यता पर विशिष्ट स्वामित्व का दावा करना इतिहास की स्थापित पद्धति के अनुरूप नहीं माना जा सकता।

पाकिस्तान लंबे समय से मोहनजोदड़ो और हड़प्पा जैसे अपने भूभाग में स्थित पुरास्थलों को राष्ट्रीय विरासत के रूप में प्रस्तुत करता रहा है, जो स्वाभाविक भी है। किंतु हाल के वर्षों में जिस प्रकार 'पांच हजार वर्ष पुराना पाकिस्तान' जैसी अवधारणाओं को बढ़ावा दिया गया है तथा सिंधु सभ्यता को पाकिस्तान की ऐतिहासिक पहचान के मूल आधार के रूप में प्रस्तुत करने के प्रयास दिखाई दिए हैं, उन्होंने नई बहस को जन्म दे दिया है। जबकि, पूरी दुनिया जानती है कि पाकिस्तान का अस्तित्व ही सन् १९४७ से है।

इस विषय पर चिंतन की आवश्यक इसलिए भी है क्योंकि पाकिस्तान पिछले कुछ समय से लगातार ऐसे बयान जारी कर रहा है। अप्रैल २०२५ में पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा सिंधु जल संधि को स्थगित करने की घोषणा के बाद २०२५ के उत्तरार्ध में पाकिस्तान ने 'इंडस' विरासत को राष्ट्रीय पहचान से जोड़ने वाले अभियानों को गति देना शुरू कर दिया। जून २०२६ में सिंधु जल संधि विवाद के समानांतर पाकिस्तान ने सिंधु सभ्यता को अधिक प्रमुखता से प्रस्तुत करना शुरू किया। हाल ही, जुलाई २०२६ में इस्लामाबाद में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में सिंधु जल और सांस्कृतिक विरासत के मुद्दे को साथ रखकर भारत की आलोचना की गई।

इतिहास केवल भूगोल नहीं, स्मृति भी है

इतिहास को समझने के लिए केवल वर्तमान मानचित्र पर्याप्त नहीं होते। समय के साथ कई नगरों, नदियों, क्षेत्रों और सांस्कृतिक केंद्रों के नाम बदलते रहे हैं। यदि इन परिवर्तनों को ऐतिहासिक संदर्भ से अलग कर देखा जाए तो आने वाली पीढ़ियों के सामने इतिहास की वास्तविक निरंतरता धुंधली पड़ सकती है।जो विद्यार्थी और शोधार्थी इतिहास विषय के हैं, वे प्राचीन नामों और उनके आधुनिक रूपों का अध्ययन करते हैं, किंतु इतिहास से इतर विषयों के अधिकांश विद्यार्थियों के लिए यह जानकारी नई हो सकती है कि आज की नीलम घाटी प्राचीन ग्रंथों में किशनगंगा के नाम से वर्णित है और आज का काबुल भारतीय प्राचीन ग्रंथों में कुभा के नाम से अपना स्थान रखता है। श्रीनगर स्थित शंकराचार्य मठ का पर्वत आज तख्त-ए-सुलेमान के नाम से भी जाना जाता है।

इसी तरह, लायलपुर आज फैसलाबाद कहलाता है। सांकल का वर्तमान नाम

सियालकोट है। वितस्ता का आधुनिक नाम झेलम है। आस्किनी आज चिनाब कहलाती है। प्राचीन हरिरुद को आज हेलमंड के नाम से जाना जाता है। गांधार का आधुनिक रूप कंधार है। वराहमूल आज बारामूला कहलाता है।नामों के इन परिवर्तनों को समझे बिना प्राचीन ग्रंथों और पुरातात्विक साक्ष्यों का समुचित अध्ययन संभव नहीं है। यही कारण है कि किसी सभ्यता की पहचान को केवल आधुनिक नामों और वर्तमान राजनीतिक सीमाओं के आधार पर परिभाषित करना ऐतिहासिक दृष्टि से अधूरा माना जाता है।

सिंधु सभ्यता का वास्तविक विस्तार

वरिष्ठ पुरातत्वविद व साहित्य संस्थान के सेवानिवृत्त निदेशक डॉ. जीवन सिंह खरकवाल कहते हैं कि सिंधु सभ्यता का विस्तार वर्तमान पाकिस्तान, भारत तथा अफगानिस्तान के कुछ भागों तक था। इसके प्रमुख नगर मोहनजोदड़ो और हड़प्पा आज पाकिस्तान में स्थित हैं, जबकि धोलावीरा, राखीगढ़ी, लोथल, कालीबंगन, बनावली सहित ९०० से अधिक महत्वपूर्ण पुरास्थल भारत में हैं, जबकि पाकिस्तान में ६०० ही हैं। ज्ञात पुरास्थलों की संख्या के आधार पर भी भारत का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। उनका मानना है कि यह सभ्यता किसी एक आधुनिक राष्ट्र की नहीं, बल्कि पूरे उत्तर-पश्चिम भारतीय उपमहाद्वीप की साझा सांस्कृतिक विरासत है।

क्या केवल सांस्कृतिक प्रस्तुति है या उससे आगे की तैयारी?

चिंता केवल इस बात तक सीमित नहीं है कि पाकिस्तान अपने भूभाग में स्थित पुरास्थलों को प्रचारित कर रहा है। उनकी वास्तविक चिंता यह है कि कहीं यह प्रयास धीरे-धीरे इतिहास की नई व्याख्या स्थापित करने की दिशा में तो नहीं बढ़ रहा। सभ्यता अध्ययन केन्द्र नई दिल्ली के सह निदेशक डॉ. विवेक भटनागर का मत है कि यदि किसी सभ्यता की उत्पत्ति, उसके सांस्कृतिक आधार और उसके भौगोलिक विस्तार को क्रमशः नए राजनीतिक आख्यानों के अनुरूप प्रस्तुत किया जाने लगे, तो भविष्य में अंतरराष्ट्रीय विमर्श प्रभावित हो सकता है। इसी कारण वे इस विषय को गंभीरता से लेने की आवश्यकता पर बल दे रहे हैं। इतिहास में कई उदाहरण ऐसे मिलते हैं, जहां लंबे समय तक दोहराए गए राजनीतिक आख्यान बाद में सामान्य धारणा का रूप ले गए। इसलिए सिंधु सभ्यता जैसे वैश्विक महत्व के विषय पर तथ्यात्मक और प्रमाण-आधारित विमर्श अत्यंत आवश्यक है।

नाम बदलने की आशंका भी?

यह आशंका भी है कि यदि किसी सभ्यता की पहचान को नए राजनीतिक आख्यानों से जोड़ने का प्रयास जारी रहा, तो भविष्य में उसके नाम, सांस्कृतिक स्वरूप अथवा ऐतिहासिक प्रस्तुतीकरण में भी परिवर्तन की कोशिश की जा सकती है। यद्यपि ऐसा कोई आधिकारिक कदम अब तक सामने नहीं आया है, फिर भी इस संभावना को पूरी तरह नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। विश्व विरासत से जुड़े विषयों में समय रहते तथ्यात्मक हस्तक्षेप और अकादमिक संवाद आवश्यक होता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध और संवाद की मांग

सिंधु सभ्यता जैसे विषय को भारत-पाकिस्तान के द्विपक्षीय विवाद के रूप में नहीं, बल्कि मानव सभ्यता की साझा धरोहर के रूप में देखा जाना चाहिए। इसके लिए यूनेस्को, अंतरराष्ट्रीय पुरातत्व संस्थानों और इतिहास शोध संस्थाओं के स्तर पर व्यापक विमर्श, संयुक्त शोध और प्रमाण-आधारित अध्ययन को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इतिहास का संरक्षण भावनाओं से नहीं, बल्कि पुरातात्विक साक्ष्यों, अभिलेखों, वैज्ञानिक अनुसंधानों और प्रमाणित स्रोतों के आधार पर होना चाहिए। यदि किसी प्रकार का पुनर्लेखन या एकपक्षीय व्याख्या सामने आती है तो उसका उत्तर भी तथ्यों और शोध के माध्यम से ही दिया जाना चाहिए।

महती आवश्यकता है भारत सरकार इस विषय पर गंभीरता से विचार करे तथा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के पुरातात्विक और ऐतिहासिक साक्ष्यों को अधिक प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करे। यह केवल अतीत का प्रश्न नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए ऐतिहासिक सत्य के संरक्षण का विषय है। भारत के पास सिंधु सभ्यता से जुड़े समृद्ध पुरातात्विक साक्ष्य, शोध और अकादमिक सामग्री उपलब्ध है। आवश्यकता इस बात की है कि उन्हें वैश्विक स्तर पर व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत किया जाए, ताकि मानव सभ्यता की इस अमूल्य धरोहर का इतिहास किसी राजनीतिक आख्यान का नहीं, बल्कि प्रमाणित तथ्यों का इतिहास बना रहे। सिंधु सभ्यता किसी आधुनिक राष्ट्र की संपत्ति नहीं बल्कि सम्पूर्ण मानवता की साझा धरोहर है। इसलिए इसके इतिहास, स्वरूप और पहचान से जुड़ा प्रत्येक दावा पुरातात्विक साक्ष्यों, वैज्ञानिक अनुसंधान और स्थापित इतिहासलेखन की कसौटी पर परखा जाना चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार व पुरातत्व शोधार्थी हैं)

प्रथम पृष्ठ का शेषांश.....

सोनम वांगचुक खत्म करेंगे अनशन,...

अपना अनशन खत्म करूंगा कि सरकार ने न केवल मेरी अपील सुनी है, बल्कि लाखों युवा भारतीयों की आकांक्षाओं को भी समझा है।'सोनम वांगचुक ने लिखा, 'ऐसे आश्वासन के अभाव में, मैं अनिश्चित काल तक अपना अनशन जारी रखने के लिए मजबूर हो जाऊंगा। मुझे यह भी उम्मीद है कि आंदोलन को दबाने के लिए पुलिस द्वारा और अधिक बल प्रयोग नहीं किया जाएगा।'वांगचुक ने अपनी बात पूरी करते हुए लिखा, 'हमारे लोकतंत्र का भविष्य इस बात पर निर्भर नहीं करता कि वह उनसे कैसा व्यवहार करता है जो उससे सहमत हैं, बल्कि इस बात पर निर्भर करता है कि वह अपने युवा नागरिकों के साथ कैसा व्यवहार करता है जब वे साहस, उम्मीद और दृढ़ विश्वास के साथ बोलने की हिम्मत करते हैं। हार्दिक सम्मान के साथ, सोनम वांगचुक।'

असम के १६ जिले बाढ़ से प्रभावित इलाकों का ...

सरकार ने बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए कुल ७१ राहत शिविर एवं २०२ राहत वितरण केंद्र समेत कुल २७३ शिविर स्थापित किये हैं। जहां से प्रभावित लोगों को आश्रय एवं राहत सामग्रियों का वितरण किया जा रहा है।
मुख्यमंत्री डॉ. सरमा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बीते २९ अप्रैल से २१ जुलाई तक राज्य में आई बाढ़ का एक आंकडा शेयर किया है। आंकडों के अनुसार, बाढ़ प्रभावित कुल २५ जिलों के ७४ राजस्व सर्किल के १७०० गांव शामिल हैं। प्रभावित नागरिकों की संख्या ७,२७,५०६ है। आश्रय शिवरों की संख्या ९५ तथा आश्रय लेने वालों की संख्या १८,५७४ है। वहीं, राहत सामग्री वितरण केंद्रों की संख्या ४६९ तथा मृतकों की संख्या ३१ है। जबकि, कृत्रिम बाढ़ में एक व्यक्ति की मौत तथा तीन व्यक्तियों के लापता होने का आंकडा साझा किया है। बाढ़ से पूरी तरह से क्षतिग्रस्त घरों की संख्या ४०१ तथा आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त घरों की संख्या १८४८ तथा बाढ़ के चलते मरने वाले मवेशियों की संख्या १८५ बताया गया है।

असम बाढ़; मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने सोनारी....

रिस्पॉन्स फोर्स (SDRF), इंडियन आमी, असम पुलिस और जिला एडमिनिस्ट्रेशन फंसे हुए लोगों को निकालने और प्रभावित समुदायों को राहत देने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं।सरमा ने यह भी बताया कि असम के डिजास्टर रिलीफ ऑपरेशन को सेंट्रल गवर्नमेंट की फंडिंग से पूरी मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि सेंटर बाढ़ राहत के लिए एडवांस में पैसे देता है और भरोसा दिलाया कि जरूरत पडने पर प्रधानमंत्री से और फाइनेंशियल मदद मांगी जाएगी। असम स्टेट डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (ASDMA) के लेटेस्ट बुलेटिन के मुताबिक, बाढ़ की स्थिति काफी खराब हो गई है, अब तक बाढ़ से जुडी ३१ मौतें हुई हैं, १६ जिलों में ५.६४ लाख से ज़्यादा लोग प्रभावित हैं, और १.१४ लाख से ज़्यादा लोग अभी रिलीफ कैंप और रिलीफ डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर में रह रहे हैं। सबसे ज़्यादा प्रभावित इलाकों में रेस्क्यू ऑपरेशन अभी भी जारी है क्योंकि अधिकारी फंसे हुए परिवारों तक पहुँचने की कोशिश कर रहे हैं।

असम : बाढ़ में फंसे यात्रियों के लिए चलाई जा रही ....

व्यवधानों से प्रभावित यात्रियों की मदद के लिए, दो अतिरिक्त जोडी स्पेशल ट्रेनों के परिचालन का निर्णय लिया गया है। इसका विवरण इस प्रकार है।पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि २२ से २६ जुलाई तक प्रतिदिन तिनसुकिया और भोजो के बीच एक स्पेशल ट्रेन सेवा शुरू की गयी है। ट्रेन संख्या ०५९११ (तिनसुकिया - भोजो) स्पेशल तिनसुकिया से १२ बजे रवाना होकर उसी दिन भोजो १४:०० बजे पहुंचती है। वापसी में, ट्रेन संख्या ०५९१२ (भोजो - न्यू तिनसुकिया) स्पेशल भोजो से १५:०० बजे रवाना होकर उसी दिन न्यू तिनसुकिया १६:३५ बजे पहुंचती है।२२ से २६ जुलाई तकप्रतिदिन न्यू तिनसुकिया और मोरानहाट के बीच एक अन्य स्पेशल ट्रेन सेवा शुरू की गयी है। ट्रेन संख्या ०५९१३ (न्यू तिनसुकिया- मोराणहाट) स्पेशल, न्यू तिनसुकिया से १६:४५ बजे रवाना होकर उसी दिन मोरानहाट १९:३० बजे पहुंचती है। वापसी में, ट्रेन संख्या ०५९१४ (मोरानहाट - तिनसुकिया) स्पेशल, मोरानहाट से २०:०० बजे रवाना होकर उसी दिन तिनसुकिया २३:०० बजे पहुंचती है।इन स्पेशल ट्रेनों के अलावा, पूसीरे ने इस रूट पर फंसे यात्रियों की सुविधा के लिए लामडिंग- मरियानी जंक्शन और रंगिया- मरियानी जंक्शन के बीच पहले ही तीन जोडी स्पेशल ट्रेनों का परिचालन शुरू कर दिया है।

नशा मुक्त भारत के लिए युवाओं को किया ....

डालते हुए सकारात्मक मित्र-सहयोग, स्वस्थ जीवनशैली और समय पर हस्तक्षेप को नशे की रोकथाम के लिए आवश्यक बताया। उन्होंने विद्यार्थियों से नशामुक्त भारत अभियान के जागरूक दूत बनकर अपने परिवार और समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।कार्यक्रम के अंत में जनता कॉलेज की अतिथि प्राध्यापिका डॉ. मधुमिता शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इसके बाद कॉलेज परिसर में नशे के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान चलाया गया, जिसमें विद्यार्थियों और प्रतिभागियों ने नशामुक्त भारत के संकल्प के समर्थन में हस्ताक्षर किए।कार्यक्रम में मेरा युवा भारत के स्वयंसेवक दीपशिखा धर, कार्यालय स्वयंसेवक तथा क्षेत्रीय स्वयंसेवक रोमित राय, मनीषा दासगुप्ता, स्वीता शब्दाकार और बिमल कुमार दास उपस्थित रहे। साक्षम की प्रतिनिधि मौमिता चंदा और बीना दास ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

बाढ़ प्रभावित ऊपरी असम में २४ जुलाई ...

संभावना कम होगी।असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) ने प्रभावित जिलों के लोगों से आवश्यकता पडने पर इस सुविधा का उपयोग करने की अपील की है। प्राधिकरण ने कहा कि आपदा के समय निर्बाध संचार बचाव एवं राहत कार्यों के बेहतर समन्वय तथा लोगों तक समय पर आवश्यक जानकारी पहुंचाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।एएसडीएमए ने सहायता के लिए राज्य नियंत्रण कक्ष के नंबर ०३६१-२२३७२१९ और ९४०१०४४६१७ जारी किए हैं। इसके अलावा टोल-फ्री हेल्पलाइन १०७०, १०७९ और ११२ तथा जिला नियंत्रण कक्ष के नंबर १०७७ और ११२ भी आपातकालीन सहायता के लिए सक्रिय हैं।अधिकारियों का कहना है कि इस अस्थायी व्यवस्था से बाढ़ प्रभावित हजारों लोगों को संचार संबंधी समस्याओं से राहत मिलेगी और राहत एवं बचाव कार्यों में बेहतर समन्वय सुनिश्चित होगा।

१६वें बजट सेशन में फिर से बाढ़ कंट्रोल और सिचुएशन....

जी कर दिया जाएगा और प्रोजेक्ट को तइ जी राम जी के नाम से लागू किया जाएगा और ग्रामीण विकास में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और आने वाले दिनों में विकास को सफल बनाने के लिए पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग ने सही कदम उठाए हैं। इस बीच, गुवाहाटी सेंट्रल के चडअ विजय गुप्ता ने शहर की महत्वपूर्ण मारा भरालू नदी में आर्टिफिशियल बाढ़ कंट्रोल और ड्रेनेज के लिए तीन पुलों की मांग की और प्रस्ताव दिया, साथ ही नदी और सडक़ के बीच कनेक्शन बनाए रखने के लिए नालों और सीवरों के रेनोवेशन का भी प्रस्ताव दिया। गुप्ता के प्रस्ताव और ड्रेनेज के जवाब में, मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा कि सरकार शहर के सभी नालों और सीवरों के रेनोवेशन के लिए सही कदम उठाने के लिए लगन से काम कर रही है, मॉडर्न टेक्नोलॉजी की मदद से दिन-रात खुदाई और ड्रेनेज का काम एक्टिव रूप से किया जा रहा है, और MLA गुप्ता के पुल बनाने के प्रस्ताव पर विचार करने के बाद कदम उठाए जाएंगे, मंत्री हजारिका ने कहा। इस बीच, स्पीकर रंजीत दास के एक्टिव मैनेजमेंट में अलग-अलग ग्रुप की पानी की अलग-अलग समस्याएं उठाई गई, जो पूरे दिन मौजूदा सेशन में मौजूद रहे। दूसरी ओर, आज सदन शुरू होने से पहले विपक्ष प्लेकार्ड लेकर अलग-अलग तरह के विरोध जताता दिखा। हालांकि, विधानसभा शुरू होने से ही आज के १६वें बजट सेशन में सवाल-जवाब और समाधान पर चर्चा हुई। इसके अलावा, विपक्षी चडअ बदर उद्दीन अजमल ने बाढ़ को कंट्रोल करने के लिए गैर-कानूनी खुदाई और रेत माफियाओं की गैर-वैज्ञानिक खुदाई प्रक्रिया पर रोक लगाने के लिए कानूनी कार्रवाई की मांग की। कुल मिलाकर, विपक्ष और पक्ष दोनों के चडअ शिक्षा और ग्रामीण विकास और बाढ़ कंट्रोल समेत राज्य की अलग-अलग समस्याओं को हल करने के लिए सरकार के सामने कई प्रस्ताव पेश करते दिखे।

असम विश्वविद्यालय की कार्यशाला में लैंगिक भेदभाव समाप्त करने का दिया गया संदेश

प्रे.सं. सिलचर, २२ जुलाई: असम विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) तथा मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर (एमएमटीटीसी) के संयुक्त तत्वावधान में 'जेंडर सेंसिटाइजेशन, पॉश अधिनियम एवं महिला सशक्तिकरण' विषय पर छह दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ सोमवार को हुआ। कार्यशाला का औपचारिक उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजीव मोहन पंत सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों ने किया।कुलपति की अध्यक्षता में आयोजित उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश स्थित डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता उपस्थित थीं। इस अवसर पर आईसीसी की प्रीसाइडिंग ऑफिसर प्रो. करबी दत्ता चौधरी, एमएमटीटीसी के निदेशक प्रो. आर. बालकृष्णन, उपनिदेशक प्रो. अजय कुमार सिंह, प्रभारी कुलसचिव जयंत भट्टाचार्य सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।स्वागत भाषण में प्रो. करबी दत्ता चौधरी ने कहा कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य ऐसा कार्य वातावरण तैयार करना है, जहाँ सुरक्षा, गरिमा और पेशेवर समानता सुनिश्चित हो तथा महिलाएँ आत्मविश्वास और सम्मान के साथ कार्य कर सकें। उन्होंने महिलाओं की सक्रिय भागीदारी, आत्मनिर्भरता और नेतृत्व क्षमता के विकास पर भी विशेष बल दिया।अपने संबोधन में कुलपति प्रो. राजीव मोहन पंत ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीडऩ (रोकथाम, निषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, २०१३ (POSH Act) के प्रति जागरूकता बढाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कर्मचारियों से इस अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी प्राप्त करने का आह्वान किया तथा यौन उत्पीडऩ की परिभाषा और कार्यस्थल पर अस्वीकार्य व्यवहार के विभिन्न पहलुओं की विस्तार से व्याख्या की। उन्होंने गरिमा, पारस्परिक सम्मान और विश्वास पर आधारित स्वस्थ कार्य-संस्कृति विकसित करने का भी आह्वान किया।मुख्य अतिथि प्रो. नीलिमा गुप्ता ने महिलाओं के संवैधानिक अधिकारों तथा उन्हें उपलब्ध संस्थागत सहायता तंत्र के प्रति जागरूकता बढाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने लैंगिक समानता स्थापित करने, महिला-पुरुष सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने तथा समाज में व्याप्त लैंगिक पूर्वाग्रहों और अवचेतन पक्षपात को समाप्त करने का आह्वान किया।उल्लेखनीय है कि यह कार्यशाला आगामी शुक्रवार तक चलेगी। दूसरे दिन आयोजित सत्रों में असम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजीव मोहन पंत तथा रवीन्द्रनाथ ठाकुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मानवेंद्र दत्ता चौधरी ने व्याख्यान दिए। तीसरे दिन, अर्थात बुधवार को, कलकत्ता विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति प्रो. शांता दत्ता डे तथा असम विश्वविद्यालय के प्रो. दिव्यज्योति भट्टाचार्य ने अपने विचार व्यक्त किए।

शहीद जगन्मय और दिव्येंदु को श्रद्धांजलि, गुरुचरण विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर की मांग

प्रे.सं. उधारबंद, २२ जुलाई। १९८६ के मातृभाषा आंदोलन में शहीद हुए भाषा सेनानी जगन्मय देव और दिव्येंदु दास को बराक उपत्यका बंग साहित्य एवं संस्कृति सम्मेलन की उधारबंद आंचलिक समिति ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।मंगलवार को उधारबंद शिक्षा सदन हाई स्कूल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष भास्कर दास, उपाध्यक्ष निहार कांति राय, सचिव नुरुल हुदा सहित अन्य पदाधिकारियों और विद्यालय की प्रधानाचार्या व विद्यार्थियों ने शहीद वेदी पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर वक्ताओं ने मातृभाषा की रक्षा और भाषा शहीदों के बलिदान को याद करते हुए कहा कि मातृभाषा किसी भी समुदाय की पहचान और अस्तित्व का आधार है।कार्यक्रम के बाद आयोजित बैठक में उधारबंद विधानसभा क्षेत्र में गुरुचरण विश्वविद्यालय का स्थायी परिसर स्थापित करने तथा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIET) में बीएड पाठ्यक्रम शुरू करने की मांग उठाई गई। इन मांगों को लेकर शिक्षा मंत्री, संबंधित मंत्रियों, उधारबंद के विधायक राजदीप गोआला, गुरुचरण विश्वविद्यालय के कुलपति और DIET के प्राचार्य से संपर्क करने का निर्णय लिया गया।बैठक में समिति के पदाधिकारियों सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। लक्ष्मीपुर आंचलिक समिति और उधारबंद के विभिन्न संगठनों ने भी गुरुचरण विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर की मांग का समर्थन किया है।

डिब्रूगढ़ डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर ने बाढ़ के हालात का रिव्यू किया, डूबे गांवों और राहत कामों का दौरा किया

डिब्रूगढ़: (अर्णव शर्मा) २२ जुलाई :डिब्रूगढ़ डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर बिक्रम कैरी, खअड, ने बुधवार को जिले के कई बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया ताकि ज़मीनी हालात का जायजा लिया जा सके, चल रहे राहत कामों का रिव्यू किया जा सके और प्रभावित लोगों से बातचीत की जा सके। जिला डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (DDMA), डिब्रूगढ़ के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर और खोवांग के को-डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर, IAS जयंत चरण और मोरन रेवेन्यू सर्कल के सर्कल ऑफिसर अंकन ज्योति फुकन के साथ, डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर ने सबसे पहले मोरन रेवेन्यू सर्कल के तहत बाढ़ प्रभावित गांवों नंबर १ मोइना गांव और नंबर २ मोइना गांव का दौरा किया।इस दौरे के दौरान, टीम ने मौजूदा बाढ़ के हालात का रिव्यू किया, राहत कामों का जायजा लिया और स्थानीय लोगों से बातचीत करके उनकी तुरंत की जरूरतों और चिंताओं को समझा। प्रभावित परिवारों में राहत का सामान बांटा गया, जबकि अधिकारियों ने गांव वालों को भरोसा दिलाया कि डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन हालात पर करीब से नजर रख रहा है और सभी प्रभावित लोगों को समय पर मदद देने के लिए पक्का इरादा रखता है।बाद में, डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर बिक्रम कैरी ने भागमुर ब्लॉक गांव और कुटोहाट के बाढ़ प्रभावित इलाकों का भी इंस्पेक्शन किया, जहां उन्होंने बाढ़ के पूरे हालात का रिव्यू किया और चल रहे बचाव और राहत ऑपरेशन का मूल्यांकन किया।उनके साथ जयंत चरण, खअड, ऊऊचअ, डिब्रूगढ़ के उएज और खोवांग के को-डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर, साथ ही एडिशनल डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर देव नारायण हजारिका भी थे।इंस्पेक्शन के दौरान, अधिकारियों ने डूबे हुए इलाकों का सर्वे किया, निवासियों से बातचीत की, और बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए तुरंत राहत और मदद पक्का करने के लिए किए जा रहे उपायों का रिव्यू किया।डिब्रूगढ़ डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन ने कहा कि वह बाढ़ की बदलती स्थिति पर कडी नजर रखे हुए है और मिलकर राहत और डिजास्टर मैनेजमेंट की कोशिशों के जरिए प्रभावित निवासियों की जान और सेहत की सुरक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठा रहा है।

असम में बाढ़ जानलेवा: एक ही दिन में २१ लोगों की मौत, मरने वालों की संख्या ३१ हुई

शिवसागर (अर्णव शर्मा) २२ जुलाई :: असम इस मॉनसून की सबसे बुरी बाढ़ आपदाओं में से एक देख रहा है, पिछले २४ घंटों में हालात बहुत ज़्यादा बिगड गए हैं। मौजूदा बाढ़ की लहर के सबसे खतरनाक एक दिन में, २१ लोगों की जान चली गई, जिससे मरने वालों की कुल संख्या ३१ हो गई। लगातार बारिश से राज्य के बडे इलाके जलमग्न हो गए हैं, जिससे १६ जिलों के ५.६ लाख से ज़्यादा लोग प्रभावित हुए हैं।असम में बाढ़ का संकट दुखद मोड ले चुका है, सिर्फ एक दिन में २१ लोगों की मौत की खबर है। सरकारी आंकडों के मुताबिक, शिवसागर में सबसे ज़्यादा १३ मौतें हुई, इसके बाद चराईदेउ में पांच, गोलाघाट में दो और जोरहाट में एक मौत हुई। अधिकारियों को डर है कि मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है क्योंकि कई जलमग्न इलाकों में बचाव अभियान जारी है। भारी बारिश और नदियों के उफान से गांव, सडकें और खेती की जमीन डूब गई है, जिससे १६ जिलों में आम जिंदगी पर असर पडा है। ५.६ लाख से ज़्यादा लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि हजारों लोगों ने एडमिनिस्ट्रेशन के बनाए रिलीफ कैंप में पनाह ली है। रेस्क्यू टीमें फंसे हुए लोगों को निकाल रही हैं और खाना, पीने का पानी और दूसरी जरूरी राहत सामग्री पहुंचा रही हैं।असम स्टेट डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी, जिला एडमिनिस्ट्रेशन, NDRF, SDRF और दूसरी एजेंसियों के साथ मिलकर रेस्क्यू और राहत का काम जारी रखे हुए है। अधिकारियों ने निचले इलाकों और नदी किनारे रहने वाले लोगों से अलर्ट रहने और सरकारी सलाह मानने की अपील की है क्योंकि कई नदियों में पानी का लेवल अभी भी ज़्यादा है।आने वाले दिनों में और बारिश होने के अनुमान के साथ, राज्य सरकार हाई अलर्ट पर है, जबकि प्रभावित लोगों की मदद के लिए राहत और पुनर्वास के काम तेज कर दिए गए हैं।
बाढ़ की बिगडती स्थिति ने एक बार फिर मानसून के मौसम में असम की कमजोरी को दिखाया है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी रहने के साथ, लोगों की जान बचाने, प्रभावित परिवारों को राहत देने और बाढ़ प्रभावित जिलों में हालात सामान्य करने पर ध्यान दिया जा रहा है।

ब्रह्मपुत्र के कटाव से डिब्रूगढ़ के मोहनाघाट टिंगखोंग भंगा अली में चिंता; गांववालों ने की खास प्रार्थना

डिब्रूगढ़: (अर्णव शर्मा) २२ जुलाई :असम के डिब्रूगढ़ जिले के मोहनाघाट टिंगखोंग भंगा अली के लोगों में ब्रह्मपुत्र के लगातार कटाव का डर बना हुआ है। सालों से अपने घरों और उपजाऊ खेती की जमीन को नदी में समाते देख चुके स्थानीय गांववालों ने एक खास नदी पूजा का आयोजन किया, और आगे कटाव से बचाने के लिए प्रार्थना की।सुबह से ही, सैकडों पुरुष, महिलाएं, बुजुर्ग और युवा इस धार्मिक अनुष्ठान में हिस्सा लेने के लिए नदी के किनारे इकट्ठा हुए। वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार रस्में निभाई गई, जिसके बाद भक्तिपूर्ण नाम-कीर्तन हुआ। भक्तों ने पारंपरिक प्रार्थनाएं, माह-प्रसाद, पान और सुपारी के साथ-साथ दूसरी चीजें चढाकर महान ब्रह्मपुत्र का आशीर्वाद मांगा।इस रस्म के हिस्से के तौर पर, गांववालों ने नदी पर केले के तने का एक प्रतीकात्मक बेडा भी तैराया, जिसमें कटाव से प्रभावित परिवारों की सुरक्षा, शांति और भलाई के लिए प्रार्थना की गई और लगातार खतरे से राहत की उम्मीद की गई।लोगों ने कहा कि ब्रह्मपुत्र के लगातार कटाव ने लगभग पांच दशकों से मोहनाघाट टिंगखोंग भंगा अली इलाके को तबाह कर दिया है। सैकडों बीघा उपजाऊ खेती की जमीन बह गई है, जबकि कई परिवारों ने अपने घर और पुश्तैनी जमीन खो दी है, जिससे कई लोग अपनी रोजी-रोटी फिर से शुरू करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।हालांकि जल संसाधन विभाग अभी इलाके में कटाव-नियंत्रण के उपाय कर रहा है, लेकिन लगभग एक हफ्ते पहले हुए गंभीर कटाव के नए दौर ने एक बार फिर स्थानीय लोगों में डर और अनिश्चितता बढा दी है।

डिब्रूगढ़ शहर में घूम रहे जंगली घोडों को सुरक्षित बचाया गया और सिसु चापोरी ले जाया गया

डिब्रूगढ़. (अर्णव शर्मा) २२ जुलाई : ऊपरी असम में एक अनोखे वाइल्डलाइफ रेस्क्यू ऑपरेशन में, बाढ़ से बेघर हुए जंगली घोडों के झुंड को असम फॉरेस्ट डिपार्टमेंट ने सुरक्षित बचाया और सिसु चापोरी ले जाया गया।यह रेस्क्यू तब शुरू किया गया जब लोगों ने बताया कि डिब्रूगढ़ के अलग-अलग हिस्सों में कई जंगली घोडे घूम रहे हैं, जिससे सडक़ सुरक्षा और जानवरों की सेहत को लेकर चिंता बढ़ गई।असम के फॉरेस्ट मिनिस्टर जयंत मल्ला बरुआ ने कहा कि फॉरेस्ट डिपार्टमेंट ने किसी भी हादसे को रोकने के लिए तुरंत कार्रवाई की। कोशिशों के बावजूद, अधिकारी किसी भी मालिक का पता नहीं लगा पाए, जिससे यह कन्फर्म हुआ कि घोडे जंगली थे और शायद हाल ही में आई बाढ़ के बाद उनके नेचुरल हैबिटैट में रुकावट आने के बाद वे शहर में घुस आए थे।बचाए गए घोडों को अब सिसु चापोरी ले जाया गया है, जहाँ उन्हें खुली चराई की जमीन, काफी चारा और लंबे समय तक जिंदा रहने के लिए एक सुरक्षित नेचुरल माहौल मिलेगा।स्थानीय लोगों के अनुसार, माना जाता है कि डिब्रू-सैखोवा इलाके के आसपास के बाढ़ के मैदानों और घास के मैदानों से जानवरों को बाहर निकाल दिया गया है, क्योंकि बाढ़ का पानी बढने से उनके पारंपरिक चरने के इलाके डूब गए हैं।डिब्रू-सैखोवा के जंगली घोडों को असम की दुर्लभ जंगली आबादी में से एक माना जाता है। माना जाता है कि वे दूसरे विश्व युद्ध के दौरान छोडे गए पालतू घोडों के वंशज हैं और दशकों से इस इलाके के बाढ़ के मैदानों में आजादी से रह रहे हैं। हालांकि, मौसमी बाढ़ उनके रहने की जगह के लिए खतरा बनी हुई है और अक्सर उन्हें इंसानी बस्तियों में जाने के लिए मजबूर करती है।इस सफल बचाव का कंजर्वेशनिस्ट और स्थानीय लोगों, दोनों ने स्वागत किया है, जिन्होंने मानसून के मौसम में इंसान-जंगली संघर्ष के खतरे को कम करते हुए जंगली घोडों की अनोखी आबादी की रक्षा के लिए लगातार कदम उठाने की मांग की है।ऊपरी असम में बाढ़ का पानी रहने की जगहों को लगातार बदल रहा है, ऐसे में वन्यजीव अधिकारियों का कहना है कि लोगों और इलाके की अनोखी बायोडायवर्सिटी दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मिलकर किए जाने वाले कंजर्वेशन के प्रयास जरूरी बने रहेंगे।

DDSA के जनरल सेक्रेटरी कामाख्या सैकिया जिम्बाब्वे टूर के लिए इंडियन सीनियर क्रिकेट टीम के मैनेजर बनाए गए

डिब्रूगढ़:अर्णव शर्मा) २२ जुलाई : असम के स्पोर्ट्स जगत के लिए बहुत गर्व की बात है, बोर्ड ऑफ कंट्रोल फॉर क्रिकेट इन इंडिया (BCCI) ने डिब्रूगढ़ डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन (DDSA) के जनरल सेक्रेटरी और असम क्रिकेट एसोसिएशन (ACA) के पूर्व जॉइंट सेक्रेटरी कामाख्या सैकिया को आने वाले जिम्बाब्वे टूर के लिए इंडियन सीनियर मेन्स क्रिकेट टीम का मैनेजर बनाया है।कामाख्या सैकिया हरारे में T20 इंटरनेशनल सीरीज के दौरान टीम के मैनेजर के तौर पर काम करेंगे और २८ जुलाई तक टीम के साथ रहेंगे, और पूरे टूर के दौरान नेशनल टीम की एडमिनिस्ट्रेटिव और ऑर्गेनाइजेशनल जिम्मेदारियों को देखेंगे।असम के पूर्व क्रिकेटर, सैकिया को एक काबिल स्पोर्ट्स एडमिनिस्ट्रेटर के तौर पर बहुत इज्जत दी जाती है, जिन्होंने राज्य में क्रिकेट और स्पोर्ट्स एडमिनिस्ट्रेश के डेवलपमेंट में अहम भूमिका निभाई है। उनके अपॉइंटमेंट को खेल में उनके दशकों के योगदान की पहचान के तौर पर देखा जा रहा है और यह इउउख द्वारा उनकी एडमिनिस्ट्रेटिव क्षमताओं पर दिखाए गए भरोसे को दिखाता है।इस अपॉइंटमेंट से न सिर्फ डिब्रूगढ़ डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन को बल्कि डिब्रूगढ़ और पूरे असम राज्य के लोगों को भी बहुत गर्व हुआ है। सैकिया इंडियन टीम के साथ जिम्बाब्वे के लिए रवाना हो गए।इस डेवलपमेंट पर रिएक्शन देते हुए, DDSA प्रेसिडेंट निरंजन सैकिया ने इस अपॉइंटमेंट को एसोसिएशन और राज्य के लिए बहुत सम्मान की बात बताया।उन्होंने कहा, 'डिब्रूगढ़ डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट और डिब्रूगढ़ के नागरिक के तौर पर, मुझे, बोर्ड के सभी सदस्यों के साथ, बहुत गर्व महसूस हो रहा है कि हमारे जनरल सेक्रेटरी, कामाख्या सैकिया को आने वाली जिम्बाब्वे ढ२० सीरीज के लिए इंडियन क्रिकेट टीम का मैनेजर अपॉइंट किया गया है। यह न सिर्फ उनके लिए एक पर्सनल अचीवमेंट है, बल्कि इंडियन क्रिकेट की सबसे बडी गवर्निंग बॉडी द्वारा डिब्रूगढ़ डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन को मिली पहचान भी है।'यह अपॉइंटमेंट असम की स्पोर्टिंग कम्युनिटी के लिए एक और मील का पत्थर है और नेशनल लेवल पर नॉर्थईस्ट के स्पोर्ट्स एडमिनिस्ट्रेटर्स की बढती पहचान को दिखाता है।

तिनसुकिया में ५५ अनुसूचित जाति स्वयं-सहायता समूहों और ३ व्यक्तियों को PM-AJAY के तहत अनुदान मिला

तिनसुकिया (अर्णव शर्मा) २२ जुलाई ::: अनुसूचित जाति समुदायों की टिकाऊ आजीविका और आर्थिक सशक्तिकरण को मजबूत करने की दिशा में एक बडे कदम के तौर पर, असम राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (ASRLM), तिनसुकिया ने जिला अनुसूचित जाति और पिछडा वर्ग कल्याण विभाग (DWSCBC) के सहयोग से बुधवार को तिनसुकिया के कन्वेंशन सेंटर में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (PM-AJAY) के तहत वित्तीय सहायता वितरित की।आय पैदा करने वाली गतिविधियों को समर्थन देने और टिकाऊ उद्यमिता को बढावा देने के लिए ५५ अनुसूचित जाति स्वयं-सहायता समूहों (SHGs) और तीन व्यक्तिगत अनुसूचित जाति लाभार्थियों को मंजूरी पत्र सौंपे गए। इस वित्तीय सहायता का उद्देश्य स्वरोजगार और दीर्घकालिक आजीविका के अवसरों को प्रोत्साहित करके अनुसूचित जाति के परिवारों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार करना है।
कार्यक्रम में जिला विकास आयुक्त, स्थानीय विधायकों के प्रतिनिधि, तिनसुकिया जिला परिषद के अध्यक्ष, आंचलिक पंचायतों के अध्यक्ष और विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल हुए, जिनमें समाज कल्याण, कृषि, पशुपालन और पशु चिकित्सा, कृषि विज्ञान केंद्र, सिंचाई, APDCL, DIPRO और ASRLM शामिल थे। मीडिया प्रतिनिधि और लाभार्थी SHG भी मौजूद थे।सभा को संबोधित करते हुए, गणमान्य व्यक्तियों ने लाभार्थियों से आग्रह किया कि वे टिकाऊ आय सृजन और आर्थिक आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए अनुदान का उपयोग केवल स्वीकृत आजीविका गतिविधियों के लिए ही करें। उन्होंने प्राप्तकर्ताओं को ऐसे व्यावहारिक उद्यम स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जो दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता प्रदान करेंगे।
ASRLM अधिकारियों ने जन प्रतिनिधियों, पंचायती राज संस्थानों और संबंधित विभागों से झच-अगअध योजना के बारे में अधिक जागरूकता पैदा करने की भी अपील की ताकि अधिक पात्र अनुसूचित जाति परिवार इसका लाभ उठा सकें। अधिकारियों ने बताया कि स्वयं-सहायता समूहों के अनुसूचित जाति के सदस्य जिन्होंने बैंक ऋण लिया है और निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करते हैं, वे इस योजना के तहत अनुदान प्राप्त करने के हकदार हैं।
ASRLM के जिला कार्यक्रम प्रबंधक (DPM) ने बताया कि वित्तीय सहायता के उपयोग की निगरानी ASRLM कम्युनिटी कैडर द्वारा नियमित फील्ड विजिट के माध्यम से बारीकी से की जाएगी। 'मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता अभियान' (MMUA) के तहत होने वाली मासिक निगरानी यात्राओं के दौरान ग्रांट के इस्तेमाल की भी जांच की जाएगी, ताकि पारदर्शिता, जवाबदेही और सरकारी फंड का सही इस्तेमाल सुनिश्चित हो सके।कार्यक्रम का समापन धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिसमें PM-AJAY योजना को सही ढंग से लागू करके अनुसूचित जाति समुदायों के समावेशी विकास, टिकाऊ आजीविका और आर्थिक सशक्तिकरण को बढावा देने के लिए ASRLM और DWSCBC, तिनसुकिया की प्रतिबद्धता को फिर से दोहराया गया।

NAME CHANGE

1, Neeraj Kumar S/o Shri Nand Lal Vill & PO- Paploa, Dist - Bilaspur, (HP) declare that my name changed from Niraj Kumar to Neeraj Kumar before Notary public, Bilaspur (HP) on 02 Jul 2026.

विपक्षी सांसदों का काले कपडे.पहनकर संसद परिसर में विरोध, राहुल और प्रियंका गांधी भी हुए शामिल

नई दिल्ली (एर्जे) २२ जुलाई :. छात्रों के विरोध प्रदर्शन और विपक्षी नेताओं के साथ पुलिस कार्रवाई को लेकर दिल्ली में राजनीतिक माहौल गरमा गया है. कांग्रेस समेत विपक्षी दलों के सांसदों ने केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस पर लोकतांत्रिक अधिकारों को दबाने का आरोप लगाते हुए संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया. कांग्रेस सांसद काले कपडे. पहनकर संसद पहुंचे और छात्रों की मांगों पर सरकार से बातचीत शुरू करने की मांग की. इस दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे.कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने पत्रकारों से बात करते हुए छात्रों के समर्थन में सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि छात्र केवल अपनी समस्याओं को लेकर आवाज उठा रहे हैं और उनसे संवाद किया जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य से जुडे.मुद्दों को गंभीरता से लेने की जरूरत है.उन्होंने कहा, हम छात्रों के साथ हैं और उनकी आवाज उठा रहे हैं. छात्र केवल बातचीत और व्यवस्था में सुधार की मांग कर रहे हैं. बच्चे मेहनत करके पढाई करते हैं और अपने भविष्य के सपने देखते हैं. यदि उनकी समस्याओं को नजरअंदाज किया जाएगा तो इसका असर उनके भविष्य पर पडेग़ा. उन्होंने सरकार पर लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सडक़ और संसद दोनों जगह लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाने का अधिकार होना चाहिए. उन्होंने कहा कि विपक्ष की ओर से किया जा रहा प्रदर्शन लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है.कांग्रेस सांसद नसीर हुसैन ने छात्रों के साथ पुलिस के कथित व्यवहार को लेकर सरकार की आलोचना की. उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज, आंसू गैस और वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया गया. उन्होंने कहा कि छात्र और युवा अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन उनके साथ कठोर रवैया अपनाया गया. नसीर हुसैन ने कहा कि पुलिस कार्रवाई से यह स्पष्ट होता है कि सरकार छात्रों और युवाओं की समस्याओं को सुनने के लिए तैयार नहीं है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस सांसद इसी कार्रवाई के विरोध में काले कपडे.पहनकर संसद पहुंचे हैं.वहीं, कांग्रेस सांसद के. सुरेश ने कहा कि काले कपडे.पहनकर किया गया प्रदर्शन विपक्षी नेताओं के साथ कथित दुर्व्यवहार के विरोध में है. उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने विपक्षी सांसदों के साथ अनुचित व्यवहार किया, जिसके विरोध में कांग्रेस ने इसे काला दिवस के रूप में मनाया.कांग्रेस महासचिव और सांसद केसी वेणुगोपाल ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर भी निशाना साधा. उन्होंने कहा कि देश की शिक्षा व्यवस्था और छात्रों से जुडे.मुद्दों पर शिक्षा मंत्री की सीधी जिम्मेदारी बनती है. वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि छात्रों से जुडे.गंभीर सवालों पर सरकार जवाब देने में विफल रही है. उन्होंने शिक्षा मंत्री से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग की.इस बीच, तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी ने भी छात्रों का समर्थन किया. पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि यदि पक्षपातपूर्ण तरीके से सवाल पूछे जाएंगे तो वह उनका जवाब नहीं देंगे. उन्होंने कहा कि छात्रों की समस्याओं को सुनना सरकार की जिम्मेदारी है और सरकार को उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए.

सुप्रीम कोर्ट का सीजेपी प्रोटेस्ट सुनने से इनकार, सीजेआई सूर्यकांत बोले- समय बर्बाद मत करो

नई दिल्ली. (एर्जे) २२ जुलाई : दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे काकरोच जनता पाटी (सीजेपी) प्रोटेस्ट से जुडी एक याचिका पर बुधवार को सुनवाई करने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया. सुप्रीम कोर्ट में जब सीजेपी प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस के एक्शन का जिक्र हुआ. इस मामले की तुरंत सुनवाई की मांग की गई. इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने साफ कहा कि उनके पास अभी वक्त नहीं है. दरअसल, एक वकील ने जंतर-मंतर पर सीजेपी यानी कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन से जुडे.मामले का जिक्र किया था.दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में एक वकील ने सीजेआई सूर्यकांत की बेंच के आगे सीजेपी प्रदर्शन से जुडे.मामले की सुनवाई की मांग की. उन्होंने कहा, मेरे पास सीजेपी प्रोटेस्ट के दौरान दिल्ली पुलिस की बर्बरता से जुडे.वीडियो भी हैं, प्लीज देखिए कि क्या इस मामले को कल यानी गुरुवार को लिस्ट किया जा सके. वहां अब भी छात्र मौजूद हैं. इस पर सीजेआई सूर्यकांत न केवल याचिका सुनने से इनकार कर दिया, बल्कि कहा, नहीं-नहीं, हमारे पास कल समय नहीं है. हमारे पास समय नहीं है. हम वीडियो नहीं देखना चाहते. हम समय बर्बाद नहीं करना चाहते.दरअसल, यह मामला वकील नरेंद्र मिश्रा ने भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के सामने रखा था. उन्होंने उस याचिका पर तुरंत सुनवाई की मांग की थी. इस याचिका में सीजेपी विरोध-प्रदर्शन के दौरान पुलिस की ज्यादतियों का आरोप लगाया गया था. इसमें ह्श्वश्वञ्ज पेपर लीक मामले को लेकर दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के मार्च के दौरान छात्रों-प्रदर्शनकारियों पर कथित पुलिस कार्रवाई की जांच की मांग की गई थी. सीजेपी के प्रदर्शन में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और परीक्षा प्रणाली में सुधार की मांग की गई थी.अर्जेंट सुनवाई की रिक्वेस्ट को मानने से मना करते हुए सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, हमारा और अपना समय बर्बाद मत करो. इसके बाद वकील ने दलील दी कि स्टूडेंट्स जरूरी मुद्दे उठा रहे थे, जिसमें नीट एग्जाम का सही तरीके से होना और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) में सुधार शामिल हैं. हालांकि, बेंच ने मामले पर अर्जेंट सुनवाई करने से मना कर दिया

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे का आरपीएफ बीमार यात्रियों के लिए बना सहारा, जून-जुलाई में १९ यात्रियों को समय पर मिली चिकित्सा सहायता

गुवाहाटी, २२ जुलाई (हि.स.)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) का रेलवे सुरक्षा बल (रेसुब/आरपीएफ) यात्रा के दौरान अस्वस्थ होने वाले यात्रियों को समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराकर यात्री सुरक्षा और कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का निरंतर परिचय दे रहा है। रेलवे अधिकारियों और स्थानीय चिकित्सा संस्थानों के साथ बेहतर समन्वय के जरिए आरपीएफ यह सुनिश्चित कर रहा है कि किसी भी चिकित्सा आपात स्थिति में यात्रियों को तत्काल राहत और उपचार मिल सके।पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) कपिंजल किशोर शर्मा ने मंगलवार को बताया कि १७ जुलाई को न्यू जलपाईगुडी रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ के जवानों ने ट्रेन संख्या १५६०७ तिरुवनंतपुरम सेंट्रल-सिलचर अरुणई एक्सप्रेस से यात्रा कर रही एक महिला यात्री की तबीयत अचानक बिगडऩे पर तत्काल सहायता उपलब्ध कराई। प्राथमिक कार्रवाई के तहत उन्हें एम्बुलेंस से न्यू जलपाईगुडी स्थित रेलवे अस्पताल पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए उन्हें एक उच्च स्तरीय चिकित्सा केंद्र में रेफर कर दिया गया।इसी दिन न्यू जलपाईगुडी रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ ने ट्रेन संख्या १३१७४ सबरूम-सियालदह कंचनजंघा एक्सप्रेस से यात्रा कर रहे एक अन्य यात्री को भी समय पर चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराई। स्टेशन पर प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराने के बाद उन्हें आगे के उपचार के लिए रेलवे अस्पताल में भर्ती कराया गया।सीपीआरओ ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आरपीएफ लगातार सतर्कता के साथ कार्य कर रहा है। चिकित्सा आपात स्थिति की सूचना मिलते ही आरपीएफ के जवान रेलवे चिकित्सा अधिकारियों, स्टेशन प्रशासन और स्थानीय स्वास्थ्य सेवाओं के साथ समन्वय स्थापित कर तत्काल राहत कार्य शुरू कर देते हैं।उन्होंने बताया कि जून २०२६ के दौरान पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे क्षेत्र में कुल १२ यात्रियों को समय पर चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। वहीं जुलाई २०२६ में अब तक सात यात्रियों को आपात स्थिति में तत्काल उपचार उपलब्ध कराया जा चुका है। यह आंकडे.यात्रियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य के प्रति आरपीएफ की त्वरित प्रतिक्रिया तथा मानवीय सेवा की भावना को दर्शाते हैं।पूसीरे ने कहा कि वह सुरक्षित, सुगम और यात्री-अनुकूल रेल यात्रा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। रेलवे चिकित्सा अधिकारियों और अन्य विभागों के साथ समन्वित प्रयासों के माध्यम से आरपीएफ चिकित्सा आपात स्थितियों में लगातार त्वरित कार्रवाई कर रही है। इससे यात्रियों का भरोसा मजबूत होने के साथ-साथ भारतीय रेल की संवेदनशील और मानवीय कार्यशैली भी परिलक्षित होती है।

नीट परीक्षा में सफलता हासिल करने वाले दीप कुमार नाथ को सारा असम बंगाली छात्र फेडरेसन ने किया सम्मानित

प्रे.सं.कोकराझार २२ जुलाई :नीट परीक्षा में शानदार सफलता हासिल करने वाले दीप कुमार नाथ के आवास पर बुधवार को 'सारा असम बंगाली छात्र फेडरेसन' का एक प्रतिनिधिमंडल पहुंचा और उन्हें सम्मानित किया। दीप कुमार नाथ पान किष्णो देबनाथ और सुप्रिया देबनाथ के पुत्र हैं।?संगठन के सदस्यों ने मेधावी छात्र दीप कुमार नाथ को जातीय गमछा और मानपत्र भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।?इस अवसर पर सारा असम बंगाली छात्र फेडरेसन के केंद्रीय समिति के उपाध्यक्ष गोपाल घोष, साधारण सचिव इंद्रजीत देबनाथ, कोकराझार जिला समिति के साधारण सचिव देबा सरकार, और बंगाली टाइगर फोर्स के कोकराझार जिला समिति के सचिव अरबिंद देबनाथ सहित कई अन्य संगठनों के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।?आपको बता दें कि दीप कुमार नाथ ने नीट की परीक्षा में ४५९ अंक (९३.२१%) हासिल कर अपने परिवार और पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

कोकराझार में ई-रिक्शा के पंजीकरण पर रोक और परिवहन नियमों को सख्ती से लागू करने का निर्णय

प्रे.सं. कोकराझार, २२ जुलाई: क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण (RTA), कोकराझार की एक बोर्ड बैठक आज जिला आयुक्त सह RTA अध्यक्ष पंकज चक्रवती की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में कोकराझार शहर में यातायात की भीडभ़ाड. को कम करने और परिवहन परमिट नियमों को सख्ती से लागू करने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।?ई-रिक्शा के पंजीकरण पर रोक: कोकराझार नगरपालिका क्षेत्र के १० किलोमीटर के दायरे में ई-रिक्शा के नए पंजीकरण पर अगले आदेश तक रोक लगा दी गई है। यह कदम शहर में बढती ट्रैफिक जाम की समस्या, कोकराझार नगरपालिका बोर्ड की सिफारिशों और जनता की शिकायतों को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है।?शहर में बाहरी ई-रिक्शा के प्रवेश पर प्रतिबंध: बोर्ड ने यह भी तय किया है कि दूरदराज के इलाकों और हाईवे से आने वाले ई-रिक्शा के कोकराझार शहर में प्रवेश और संचालन को प्रतिबंधित किया जाएगा, क्योंकि ई-रिक्शा मुख्य रूप से 'लास्ट-माइल कनेक्टिविटी' के लिए हैं। इसके साथ ही, यह सुनिश्चित किया जाएगा कि राज्य का कोई भी डीलर कोकराझार शहर के १० किमी दायरे के भीतर के पते पर किसी ई-रिक्शा का पंजीकरण न करे।?बिना काउंटर-हस्ताक्षर वाले परमिट वाहनों पर कार्रवाई: ठ्ढ्ढ ने निर्देश दिया है कि अन्य क्षेत्रों या राज्यों के परिवहन प्राधिकरणों द्वारा जारी किए गए ऐसे यात्री वाहन, जिन पर सक्षम प्राधिकारी का आवश्यक काउंटर-हस्ताक्षर (र्ऊॅपींशीळसपर-ाींश) नहीं है, उन्हें कोकराझार जिले में चलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। जिला परिवहन अधिकारी (DTO), कोकराझार को नियमों का उल्लंघन करने वाले ऐसे वाहनों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

कोकराझार के ढोलमारा में दर्दनाक हादसा: तालाब में डूबने से ८ साल के बच्चे की मौत, आक्रोशित लोगों ने किया हंगामा

प्रे.सं. कोकराझार: २२ जुलाई : कोकराझार जिले के ढोलमारा स्थित काठलगुरी में NTPC के फ्लाई ऐश (अवशिष्ट पदार्थ) वाले विशाल तालाब में डूबने से एक ८ साल के बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक बच्चे की पहचान स्थानीय निवासी जीवन राय के पुत्र चंदन राय (८) के रूप में हुई है।?मिली जानकारी के अनुसार, खेलते समय बच्चे की चप्पल तालाब में गिर गई थी। उस चप्पल को उठाने के दौरान पैर फिसल जाने से बच्चा तालाब के गहरे पानी में डूब गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस अकाल मृत्यु से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड.गई है।हादसे के बाद गुस्साई भीड.ने तालाब पर तैनात उखड्ढ्र जवानों की भूमिका पर सवाल उठाते हुए जमकर रोष व्यक्त किया और मौके पर तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई।?ग्रामीणों और परिजनों का आरोप है कि इतने बडे.और खतरनाक फ्लाई ऐश तालाब के चारों ओर सुरक्षा के लिए कोई बैरिकेडिंग या दीवार नहीं बनाई गई है, जिसके कारण यह हादसा हुआ।प्रमुख मांगें: ?पीडति परिवार के निकटतम परिजनों को २० लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए।परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए।

मध्यदेशीय वैश्य महासभा के विश्व नाथ जिला समिति का सर्वसम्मति से गठन।

प्रे.सं. दुमदुमा २२ जुलाई - मध्यदेशीय वैश्य महासभा, असम प्रदेश समिति के तत्वावधान में १९ जुलाई २०२६ को आयोजित एक बैठक में जिला समिति का सर्वसम्मति से गठन किया गया। बैठक में समाज के वरिष्ठ सदस्यों एवं गणमान्य लोगों की उपस्थिति में विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों का चयन किया गया। नवनिर्वाचित समिति में अध्यक्ष, सुरेश गुप्ता उपाध्यक्ष, विभुति गुप्ता राजु गुप्ता महासचिव मंजित साह, संगठन महासचिव इन्द्र जीत गुप्ता, कोषाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, मंत्री, सांस्कृतिक मंत्री अनिल गुप्ता मीठु गुप्ता, खेल मंत्री विजय कानू रंजय प्रसाद गुप्ता, प्रचार मंत्री अनिश गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य विवेक गुप्ता दिनेश गुप्ता भूपेन कानू विद्यासागर कानू विक्की कानू तथा सलाहकार कन्हैया लाल गुप्ता द्वारिका गुप्ता गया गुप्ता सदस्य आलोक कानू दिनेश प्रसाद कानू मनोज गुप्ता संजय गुप्ता चंद्रशेखर कानू सहित विभिन्न पदों पर जिम्मेदारियां सौंपी गई। सभी पदाधिकारियों ने समाज की एकता, संगठन को मजबूत करने तथा सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को आगे बढाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर असम प्रदेश समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता, महासचिव सरोज कुमार गुप्ता तथा संगठन सचिव दीनबंधु मध्देशिया ने नवगठित जिला समिति को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि नई समिति समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाएगी और संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी।बैठक के अंत में सभी सदस्यों ने नवगठित समिति को बधाई दी तथा आगामी तीन वर्षों तक समाज के विकास एवं संगठन की मजबूती के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

श्रावण में श्रद्धालुओं की संभावित बढती संख्या को लेकर राम मंदिर न्यास ने की तैयारियों की समीक्षा

प्रेरणा प्रतिवेदन अयोध्या, २२ जुलाई। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के न्यासियों की बैठक बुधवार को अयोध्या में संपन्न हुई। बैठक में श्रावण मास के दौरान संभावित रूप से बढऩे वाली श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए दर्शन व्यवस्था, न्यास में रिक्त पदों की पूर्ति, चढावा राशि की गणना में सामने आई अनियमितताओं, मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के चयन सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।चढावा राशि की गणना प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) की अंतिम रिपोर्ट अभी प्राप्त नहीं हुई है। इसके चलते इस विषय पर विस्तृत चर्चा नहीं हो सकी। बैठक में इस मामले से संबंधित उच्चतम न्यायालय में लंबित याचिकाओं की सुनवाई और न्यायालय के आदेशों की प्रगति का भी संज्ञान लिया गया।न्यासियों ने मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की सुरक्षा अधिकारियों तक पहुंच की समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि चढावा राशि की गणना कक्ष सहित सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों में लगे कैमरों की लाइव पहुंच सुरक्षा अधिकारियों को पहले से उपलब्ध है।बैठक में भारतीय रिजर्व बैंक के सहायक संस्थान की टकसाल के साथ स्वर्ण एवं रजत चढावे की मात्रा और शुद्धता की जांच की व्यवस्था लगातार जारी रखने के निर्णय पर भी संतोष व्यक्त किया गया।

स्टेट बैंक के साथ हुए एमओयू के तहत बैंक के दायित्वों और उनके अनुपालन में सामने आई त्रुटियों पर भी गंभीर चर्चा हुई। न्यास ने बैंक की प्रतिक्रिया और मामले की गंभीरता के अनुरूप कार्रवाई के अभाव पर निराशा व्यक्त करते हुए वित्त समिति को बैंक के साथ संबंधों और मानक प्रक्रियाओं की समीक्षा कर उचित निर्णय लेने का निर्देश दिया।सीईओ के चयन के लिए गठित समिति को बडी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए हैं। समिति ने चयन प्रक्रिया के लिए एक माह का अतिरिक्त समय मांगा, जिसे न्यासी मंडल ने स्वीकार कर लिया। श्रद्धालुओं की संभावित बढती संख्या को देखते हुए सीईओ की नियुक्ति में हो रहे विलंब के बीच एक सचिव की नियुक्ति को भी मंजूरी दी गई।न्यास ने कहा कि विभिन्न दुष्प्रचार और आरोपों के बावजूद श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में कोई कमी नहीं आई है। न्यासी मंडल ने देश-विदेश से अयोध्या पहुंच रहे श्रद्धालुओं, संत समाज और अवध क्षेत्र के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।मीडिया के माध्यम से समाज के साथ संवाद को और प्रभावी बनाने के लिए न्यास ने प्रवक्ता नियुक्त करने का भी निर्णय लिया। वहीं, न्यासी मंडल में रिक्त स्थानों की पूर्ति की प्रक्रिया में कुछ और सप्ताह लगने की जानकारी दी गई।मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना की परंपरागत प्रामाणिकता और शुद्धता बनाए रखने के लिए धार्मिक समिति का पुनर्गठन किया गया है। समिति की अध्यक्षता स्वामी गोविंद देव गिरि जी महाराज करेंगे। समिति में जगद्गुरु शंकराचार्य ज्योतिष्पीठाधिपति स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती जी महाराज, मध्वपीठाधिपति स्वामी विश्वप्रसन्नतीर्थ जी महाराज, स्वामी युगपुरुष परमानंद जी, स्वामी दिनेंद्रदास जी, स्वामी कमलनयनदास जी, महंत राजकुमार दास जी, स्वामी रामानंद दास जी तथा स्वामी मिथिलेश्नंदिनी शरण जी सदस्य होंगे।उपरोक्त जानकारी एक प्रेस विज्ञप्ति में महामंत्री कृष्ण मोहन जी ने प्रदान की।

ऊपरी असम की बाढ.अभूतपूर्व, हर पीड़ित की हरसंभव मदद करेगी सरकार : पीयूष हजारिका

गुवाहाटी, २२ जुलाई (हि.स.)। असम के संसदीय कार्य मंत्री पीयूष हजारिका ने बुधवार को विधानसभा में राज्य की बाढ.की स्थिति पर आधिकारिक वक्तव्य देते हुए कहा कि सरकार सामान्य प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए हमेशा तैयार रहती है, लेकिन ऊपरी असम में आई बाढ.की स्थिति पूरी तरह अप्रत्याशित थी, जिसके कारण सरकार और प्रशासन को पूर्व तैयारी का पर्याप्त समय नहीं मिल सका।उन्होंने बताया कि ऊपरी असम में बाढ.की सूचना मिलते ही नई दिल्ली में मौजूद मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने चराईदेव, शिवसागर और जोरहाट के संरक्षक मंत्रियों को तत्काल प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के निर्देश दिए।हजारिका ने कहा कि कुछ ही घंटों के भीतर संबंधित मंत्री प्रभावित जिलों में पहुंच गए और जिला प्रशासन के साथ मिलकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया। उन्होंने विधानसभा को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार बाढ.प्रभावित प्रत्येक परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है तथा राहत और पुनर्वास कार्य युद्धस्तर पर जारी है

त्रिपुरा के डीजीपी अनुराग धनखड.की मौत मामले में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की होगी फॉरेंसिक जांच

अगरतला, २२ जुलाई: त्रिपुरा पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग धनखड.की मौत की जांच के तहत पुलिस ने उनके उपयोग में रहे सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त कर लिए हैं। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि इन उपकरणों की विस्तृत फॉरेंसिक जांच कराई जाएगी।

१९९४ बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी अनुराग धनखड.का सोमवार को अगरतला स्थित राज्य पुलिस मुख्यालय में निधन हो गया था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है।जांच अधिकारी सुभ्रजीत देब ने बताया कि इस संबंध में अप्राकृतिक मृत्यु (अननेचुरल डेथ) का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि डीजीपी का मोबाइल फोन, लैपटॉप और निजी कंप्यूटर जब्त कर लिया गया है, जिन्हें विस्तृत जांच के लिए नरसिंहगढ.स्थित राज्य फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला भेजा जाएगा।उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की फॉरेंसिक जांच पूरी होने में लगभग डेढ.माह का समय लग सकता है।जांच अधिकारी के अनुसार, यदि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यह पुष्टि होती है कि धनखड.की मृत्यु आत्महत्या से हुई है, तो जांच का मुख्य केंद्र उन परिस्थितियों और कारणों का पता लगाना होगा, जिन्होंने उन्हें ऐसा कदम उठाने के लिए विवश किया।पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, पुलिस मुख्यालय के सहायक महानिरीक्षक (एआईजी) प्रभारी प्रबीर मजूमदार सोमवार को डीजीपी से मिलने पहुंचे थे, लेकिन कार्यालय के कर्मचारियों ने उन्हें बताया कि डीजीपी के निर्देशानुसार सुबह ११ बजे तक किसी भी आगंतुक को मिलने की अनुमति नहीं है।शिकायत का हवाला देते हुए एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि काफी देर तक डीजीपी के कार्यालय में वापस नहीं लौटने पर कर्मचारियों को चिंता हुई। जब उन्होंने उनके कक्ष की जांच की तो शौचालय का दरवाजा अंदर से बंद मिला। दरवाजा तोडऩे पर डीजीपी का शव शौचालय के वेंटिलेटर से लटका हुआ मिला।इस बीच, विपक्ष के नेता जितेंद्र चौधरी ने मंगलवार को डीजीपी की कथित आत्महत्या के मामले में न्यायिक जांच की अपनी मांग दोहराई।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के नेता चौधरी ने कहा कि अपने लंबे सेवा काल में अनेक चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सफलतापूर्वक सामना करने वाला इतना वरिष्ठ अधिकारी बिना किसी ठोस कारण के आत्महत्या कर ले, इस पर सहज विश्वास करना कठिन है। उन्होंने दावा किया कि अनुराग धनखड.मानसिक तनाव में थे और मामले की सच्चाई सामने लाने के लिए सरकार से न्यायिक जांच के आदेश देने की मांग की।त्रिपुरा उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता सोमिक देब ने भी लोगों से इस मामले में न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की अपील की, ताकि उच्च न्यायालय स्वयं संज्ञान लेकर मामले की सुनवाई कर सके।

उन्होंने कहा कि पहली नजर में यह मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है, लेकिन यह जानना आवश्यक है कि ऐसी कौन-सी परिस्थितियां थीं, जिन्होंने राज्य के पुलिस प्रमुख को इतना बडा कदम उठाने के लिए मजबूर किया।

एक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को अनुराग धनखड.के पार्थिव शरीर को एयर एम्बुलेंस के माध्यम से दिल्ली भेजा गया। उनका अंतिम संस्कार बुधवार को उत्तर प्रदेश के बागपत जिले स्थित उनके पैतृक गांव बरौत में किया जाएगा।

असम में जांजी नदी के टूटे बांध पर रह रहे किसान की छलकी पीडा, कहा -मैं १० साल पीछे चला गया

जोरहाट (असम), २२ जुलाई (हि.स.)। उपरी असम के जोरहाट जिलांतर्गत टियक में बाढ.का प्रकोप कुछ हद तक कम हुआ है लेकिन स्थिति अभी भी पूरी तरह सामान्य नहीं हुई है। कई बाढ.प्रभावित लोग अब भी बांध और अस्थायी आश्रय स्थल में दिन बिताने के लिए मजबूर हैं।दूसरी तरफ, धनतुला इलाके में जांजी नदी के बांध का टूटा हुआ हिस्सा अब भी चिंता का कारण बना हुआ है। बाढ.के समय इस टूटे हुए हिस्से से जांजी नदी का पानी भारी नुकसान पहुंचा चुका है। किसानों की जमीन, जानवर, घरेलू सामान, सब कुछ पहले ही बाढ.के पानी में बह गया है।इस बीच धनतुला इलाके में जांजी नदी के बांध के टूटे हुए हिस्से पर अपने परिवार के साथ आश्रय लेने वाले एक किसान ने बुधवार को मीडिया के साथ अपनी पीडा को बयां करते हुए रोने लगा। उसने बताया है कि इस बार की बाढ. ने उसे १० वर्ष पीछे कर दिया है। उसका पूरा घर, मवेशी, सामान सभी कुछ बाढ.के पानी में बह गया।अचानक आई बाढ.की विभिषिका को याद करते हुए किसान ने कहा कि बांध के टूटने के साथ ही घर में पानी तेजी से प्रवेश कर गया, घर से कुछ भी सामान निकालने तक का मौका नहीं मिल पाया। बडी मुश्किल से एक बेड, कुछ कपडे, रसोई गैस, बकरिया, बत्तख आदि सामान ही घर से निकालकर बांध पर पहुंचा पाया। घटना को याद कर दिल में जब पीडा अधिक होने लगती तो वह आसमान की ओर देखकर अपनी बेचारगी को छुपाने की कोशिश करता नजर आया। इस तरह की स्थिति बाढ. प्रभावित अन्य ग्रामिणों की भी देखने को मिल रही है।लोगों के अनुसार जलसंसाधन विभाग और ठेकेदार की अनदेखी की वजह से यह स्थिति पैदा हुई है। इसलिए, सरकार ने लंबी अवधि की योजना के तहत आधुनिक तकनीक से इस पूरे बांध का जल्द से जल्द मरम्मत करने और लोगों के जीवन को स्थिर करने की अपील की है।हालांकि, लोगों का कहना है कि प्रशासन की तरफ से पहले ही खाद्य सामग्री की आपूर्ति की जा रही है, फिर भी यह वर्तमान में पर्याप्त नहीं है।।

टूथपेस्ट में होते हैं हानिकारक केमिकल

हम अपने दांतों को साफ क्यो करते हैं, इसीलिए न की हमारे दांत सही और तंदुरुस्त और चमकदार बने रहें, ताकि हम जो भी खाएं दांतों के द्वारा सही ढंग से चबाया जा सके और हमारी पांचन क्रिया सही बनी रहे। पर आपको यह जान कर हैरानी होगी कि दांतों को साफ करने वाले टूथपेस्ट आपको बीमारी दे सकते हैं। टूथपेस्ट बनाने में इस्तेमाल होने वाले केमिकल आपके दांतों के साथ शरीर के अंगों को भी नुक्सान पंहुचा सकते हैं। जब आप टूथपेस्ट से ब्रश करते हैं तो उसमें मौजूद केमिकल मुंह की कैविटी के जरिए आपके शरीर में चले जाते हैं।

- टूथपेस्ट बनाने में इस्तेमाल होने वाले केमिकल आपके दांतों को नुक्सान पंहुचा सकते हैं
- इसमें मौजूद हानिकारक केमिकल्स मुंह के जरिए खून में जाकर शरीर के अंगों को नुक्सान पंहुचा सकते हैं
- जब आप टूथपेस्ट से ब्रश करते हैं तो उसमें मौजूद केमिकल मुंह की कैविटी के जरिए आपके शरीर में चले जाते हैं
- 'डीएथलोमिन' नाम के केमिकल से लीवर कैंसर, किडनी कैंसर और हार्मोनल इम्बैलेंस हो सकता है

1. लीवर और गुर्दे का कैंसर : टूथपेस्ट में ''डीएथलोमिन' नाम का केमिकल पाया जाता है जिससे टूथपेस्ट में झाग बनता है। इस केमिकल से लीवर कैंसर, किडनी कैंसर और हार्मोनल इम्बैलेंस हो सकता है। जिसके बाद केमिकल आपके खून में जमा होने लगते हैं जो लंबे समय के बाद आपको गंभीर बीमारी दे सकता है।

2. थायराइड : बाजार में मिलने वाले टूथपेस्ट में ट्रिक्लोसन नाम का जर्म किलर केमिकल पाया जाता है जिसे पहले पेस्टसाइड की तरह इस्तेमाल किया जाता था। अध्यन से पता चला है कि यह केमिकल थायराइड, हृदय की समस्या और कैंसर जैसे रोगों को जन्म दे सकता है।

3. दिमाग, किडनी और हृदय की समस्या : कुछ टूथपेस्ट में पॉलीथीन ग्लाइकोल्स (पॉलीथीन) नाम का पदार्थ पाया जाता है जो और कुछ नहीं प्लास्टिक होती है। यह केमिकल आपके शरीर के लिए जहर की तरह है जो आपके दिमाग, किडनी और हृदय को नुकसान पहुंचा सकता है।

4. बच्चों में बुद्धि की कमी : टूथपेस्ट में फ्लोराइड नाम का केमिकल पाया जाता है जो आपके मसूड़ों को नुक्सान पंहुचा सकता है साथ ही बच्चों के दिमाग को भी कमजोर करता है। गर्भवती महिलाएं अगर इसका इस्तेमाल करती हैं तो उन्हें थायरॉयड, हड्डियों की परेशानी, पेट की समस्या और कैंसर हो सकता है।

5. मुंह का अल्सर और हार्मोनल इम्बैलेंस : टूथपेस्ट में एक ऐसा पदार्थ मिलाया जाता है जो साबुन की तरह काम करता है जिसे सोडियम सल्फेट कहा जाता है। इससे मुंह का अल्सर, त्वचा में इरिटेशन और हार्मोनल इम्बैलेंस हो सकता है।

6. मधुमेह और वजन बढ़ना : टूथपेस्ट में एस्पार्टेम (आर्टीफिशल शुगर) पाई जाती है। इस जीरो कैलोरी शुगर से मधुमेह और मोटापे का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही इससे ब्रेन ट्यूमर सहित कई अन्य बीमारियां भी होती हैं।

अंडरगारमेंट जो करेगा कूल्हे की चोट से रक्षा

नई दिल्ली। आजकल वृद्धों में कूल्हे की चोट काफी आम बात सी हो गई है। जरा सा भी गिरने पर आपके घर में मौजूद किसी भी वृद्ध को कूल्हे पर गंभीर चोट लग जाती है। अब आईआईटी के छात्रों ने एक ऐसा अंडरगारमेंट तैयार किया है जो वृद्ध लोगों को इस तरह की चोट से बचाएगा। जल्द ही आप इसे ऑनलाइन भी खरीद सकेंगे।

दरअसल यह एक डिवाइस है जिसे अंडरगारमेंट में फिट किया गया है, यह डिवाइस हिप एरिया पर स्थित फीमर बोन की सुरक्षा करेगा

यह डिवाइस पूरी तरह से कॉटन से तैयार की गई है

माइक्रो सेल्यूलर इंजेक्शन के साथ इसमें प्लास्टिक फोम का भी प्रयोग किया गया है, यह डिवाइस काफी लचीली भी है

दरअसल यह एक डिवाइस है जिसे अंडरगारमेंट में फिट किया गया है। यह डिवाइस हिप एरिया पर स्थित फेमुर बोन की सुरक्षा करेगा। आईआईटी दिल्ली के मैकेनिकल इंजीनियरिंग के स्टूडेंट्स ने इस डिवाइस को तैयार किया है। आईआईटी के प्रोफेसर नरेश भटनागर ने इस डिवाइस के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह डिवाइस पूरी तरह से कॉटन से तैयार की गई है। माइक्रो सेल्यूलर इंजेक्शन के साथ इसमें प्लास्टिक फोम का भी प्रयोग किया गया है। उन्होंने बताया कि यह डिवाइस काफी लचीली भी है।

कैसे बचाता है चोट से प्रोफेसर नरेश के मुताबिक, गिरने पर यह डिवाइस हिप एरिया के आसपास मौजूद टिश्यूज पर पड़ने वाले दबाव को कम करती है। इसकी वजह से कोई भी चोट या फिर घाव नहीं होता है। इसका आकार काफी छोटा है, वजन भी कम है और इसकी डिजाइन भी काफी सुविधाजनक है। ऐसे में अगर आप चाहें तो इस डिवाइस को आसानी से अपने साथ कैरी कर सकेंगे। प्रो. भटनागर ने जानकारी दी कि जल्द ही यह डिवाइस फ्लिपकार्ट पर 1,000 रु पए से भी कम कीमत पर लोगों के लिए मुहैया कराई जाएगी। उन्होंने जानकारी दी कि अमेरिका में इसी तरह की एक डिवाइस है जिसकी कीमत 100 अमेरिकी डॉलर है लेकिन भारत में यह काफी सस्ती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-5-7-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। यात्रा न करें। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-4-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अत:आलस्य का त्याग करें। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। धार्मिक कार्य शुभ रहेगा। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें। शुभांक-3-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-2-5-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। शुद्ध गोचर का लाभ। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-3-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-6-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

लॉफिंग ज़ोन

एक टीवी सेल्समैन एक गृहिणी को अपनी कंपनी के नये कलर टीवी की विशेषताएं बता रहा था. यह दिखाने के लिए कि रिमोट कंट्रोल कितना शक्तिशाली है, वह रंगीन टीवी को बैठक में छोड़कर रसोईघर में गया और वहीं से टीवी का चैनल बदलकर दिखाया.

एक माह बाद वह फिर पहुंचा और उस गृहिणी से टीवी के बारे में पूछा.

गृहिणी ने कहा, 'टीवी तो अच्छा है पर चैनल बदलने के लिए हर बार मुझे रसोईघर में जाना पड़ता है.'

☺ ☺ ☺

वकील साहब (मुजरिम से)- 'क्या यह सही है कि तुमने दस हजार रुपये के साथ-साथ गहने भी चुराए हैं?'

मुजरिम (वकील से)- हां साहब. मेरी मां का कहना है कि केवल रुपये से ही खुशी नहीं मिल सकती.'

☺ ☺ ☺

मालिक (नौकर से)- 'इन सारे मच्छरों को मार दो.'

थोड़ी देर बाद मालिक फिर गुस्से से बोला, 'तुमने इनको मारा नहीं इनकी भिनभिनाहट सुनकर मेरे कान पक गए हैं.'

नौकर (मालिक से)- साहब जी, 'मच्छरों को तो मैंने कभी का मार दिया. ये तो उनकी विधवाएं हैं जो उनकी याद में विलाप कर रही हैं.'

☺ ☺ ☺

काकुरो पहेली 5018

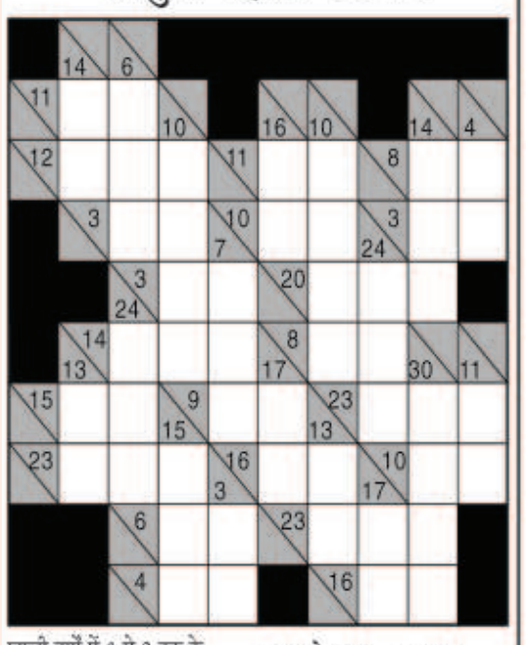

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो 5017 का हल

फिल्म वर्ग पहेली-5018

बायें से दायें:-

१. अनिल कपूर, श्रीदेवी, उर्मिला की 'हो मुझे प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली फिल्म-३
५. जैकी, संजयदत्त, रवीना की 'बाइला रे लड़की मस्त मस्त' गीत वाली फिल्म-२
६. 'छोटा बच्चा जानके' गीतवाली फिल्म-३
७. अक्षय, जैकी, सुनील, रवीना, लारा की 'कोई प्यार ना करे' गीतवाली फिल्म-२
८. फिल्म 'चलते चलते' में नायिका-२
९. शाहरुख, मनीषा, प्रीति की 'जिया जले जान' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'खुल गया नसीब देखो साला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा की फिल्म-२
१२. अमिताभ, फरदीन, करीना की 'जब नहीं आये थे' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१४. बिश्वजीत, माला सिन्हा की 'अकेला हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'तेरी दुनिया से दूर' गीत वाली महीपाल, श्यामा की फिल्म-३
१८. कंवलजीत, वहीदा रहमान की 'पर्वतों के पेड़ों पर' गीत वाली फिल्म-३
२०. मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. राजेशखन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२
२३. देव आनंद, माला की 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरी उमर के नौजवानों' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
२८. नसीर, आमिर, सोनाली की 'होशवलों को खबर' गीत वाली फिल्म-५
२९. 'प्रहार' में डिम्पल के साथ नायक ?-२
३०. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
३१.'मैं क्या करूं राम' गीतवाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब कोई बात बिगड़ जाये' गीत वाली विनोद खन्ना, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-२
२. संजीवकुमार, लीना चंदावरकर की 'पैसे बिना प्यार फिजूल है' गीत वाली फिल्म-३
३. 'इन आँखों की मस्ती के' गीत वाली नसीर, फारूख शेख, रेखा की फिल्म-४,२
४. राजकुमार, सुनीलदत्त, साधना, शर्मिला की 'हम जब सिमट' गीत वाली फिल्म-२
५. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
७. जैकी श्रॉफ, जूही, अमृता की 'मेरी बन्नो की' गीत वाली फिल्म-३
९. 'शाम है धुआं धुआं' गीत वाली अजय देवगन, मधु, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-४
१०. विनोद खन्ना, नीतूसिंह की 'बनके संवरके मैं निकली' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'अगर जिंदगी हो तेरे' गीत वाली अविनाश वधावन, आयशा की फिल्म-३
१७. गुरुदत्त, आशा पारेख की 'वो दिल कहाँ से लाऊं' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२०. संजीवकुमार, रेहाना सुल्तान की फिल्म-३
२४. 'छू कर मेरे मन' गीत वाली अमिताभ, अमजदखान, नीतूसिंह की फिल्म-३
२५. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली विनोद मेहरा, सायराबानो की फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की 'मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-४
२९. संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5017

सूडोकु 5018

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 5017 हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

शब्द पहेली - 5018

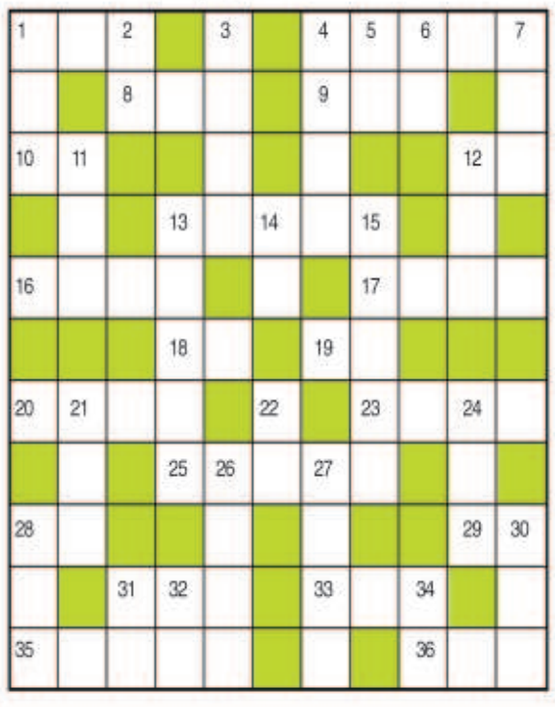

बाएँ से दाएँ

1.द्वेष,झगड़ा,रार-3
4.बुरकापोश-5
8.गागर,घड़ा-3
9.प्याऊ (उर्दू-3)
10.पैंदा,तला-2
12.बरस,वर्ष-2
13.सतत,लगातार-5
16.मजार,समाधि-4
17.उदारता,बड़पन्न-4
18.वायदा,कसम-2
19.महीना,माह-2
20.हमसफर-4
23.आदेश,आज्ञा-4
25.कहानी लेखक-5
28.गधा,गर्दभ-2
29.श्रवणेंद्रिय-2
31.बारिश,वर्षा-3
33.देवर्षि-3
35.दया करना-3,2
36.चिंतन

ऊपर से नीचे

1.कुपुत्र-3
2.अधिकार-2
3.सलाह,राय-4
4.अफसोस,खेद-4
5.शीतकालीन फसल-2
6.दलहन-2
7.ठंडा,सर्द-3
11.जिज्ञासा,उत्साह-3
12.बारिश का मौसम-3
13.धारावाही,अविराम, सीरियल-5
14.रीत,परंपरा-2
15.जीवनसाथी, हमराही-5
21.मोर-3
22.जल,नीर-2
24.पीहर-3
26.गजशाला, हाथी घर-4
27.करतब, करामात-4
28.उपभोग,खर्च-3
30.नेत्र,चक्षु,आंख-3
31.सवारी गाड़ी-2
32.रहन,गिरवी वस्तु-2
34.ताकत,जोर,बल-2

शब्द पहेली 5017 का हल

माथेरान

प्रदूषण से मुक्त खूबसूरत हिल स्टेशन

महाराष्ट्र का खूबसूरत हिल-स्टेशन माथेरान दुनिया भर की उन गिनी-चुनी जगहों में से एक है जहां किसी भी किस्म के मोटर वाहन के प्रवेश पर पूरी तरह पाबंदी है।

इस तरह यह न सिर्फ एक प्रदूषणरहित ल्कि अपने आपमें विशेष और बेहद ूबसूरत हिल स्टेशन है। रायगढ़ जिले में स्थित माथेरान को देश के सबसे छोटे हिल टेशन का दर्जा प्राप्त है। वैसे यहां सवारी के लए घोड़े, खच्चर, टट्टू, हाथ से खींचने वाले रिक्शे और पालकी उपलब्ध रहते हैं लेकिन आप चाहें तो पैदल घूम कर भी पूरे हिल टेशन का मजा ले सकते हैं। माथेरान में ूमते हुए सैलानियों को कुदरत से बेहद निकटता का एहसास होता है।

यहां देखने के लिए 20 से ज्यादा व्यू वाइंट, झीलें और पार्क हैं जिनमें मंकी वाइंट, इको प्वाइंट, मनोरमा प्वाइंट, नराइज और सनसेट प्वाइंट प्रमुख हैं। लटिल चॉक और चॉक पॉइण्ट से नवी मुंबई ी ओर के बेहद खूबसूरत और आकर्षक जारों का लुत्फ लिया जा सकता है।

माथेरान में जहां बादलों से घिरे पहाड़ और हाड़ों से गिरते झरनों के खूबसूरत और ाकर्षक नजारे बेहद मनमोहक लगते हैं वहीं ड़ों के घने आवरण से बीच में पहाड़ी के ीचे की घाटियां, तीव्र ढलानों, पठारों और दानों के कई विहंगम दृश्य भी देखने को मल जाते हैं।

पेड़ों की घनी दीवारों के बीच जैसे खड़कियां-सी खुलती हैं जहां से इन अद्भुत नजारों का आनंद लिया जा सकता है। माथेरान में चारों ओर छायादार घने पेड़ और हरियाली से लदी समतल पहाड़ियां भी हैं जहां सब तरफ लहरदार पैदल रास्ते मौजूद हैं। दरअसल पूरे माथेरान में पैदल रास्ते भी कच्ची-पक्की पगडंडियों के तौर पर ही मिलते हैं जिनके जरिए नीचे घाटी की तरफ जाने पर उस झील तक भी पहुंचा जा सकता है जहां से पूरे माथेरान में पानी की सप्लाई होती है।

वैसे तो सालभर ही माथेरान में कुदरती सुंदरता के अद्भुत नजारे देखने को मिलते हैं लेकिन जून से अगस्त यानी बारिश के महीनों को छोड़कर बाकी समय मौसम बेहद सुहावना रहता है। बारिश के मौसम में बादलों के बीच दूर-दूर तक नजारे कम देखने को मिलते हैं साथ ही यहां कच्ची सड़क होने से फिसलने का खतरा भी बढ़ जाता है लेकिन बारिश के मौसम का भी यहां अपना अलग मजा है।

माथेरान पहुंचने के लिए मुंबई के करीब नेरूल जंक्शन से दो फुट चौड़ी नैरो गेज लाईन पर चलनेवाली टॉय-ट्रेन सबसे बेहतर विकल्प हैं जो लगभग इक्कीस किमी का सफर तय कर

सवारियों को माथेरान बाजार के बीच स्थित रेलवे स्टेशन तक पहुंचाती है।

यह टॉय ट्रेन भारत के सबसे घुमावदार रेल पथ पर चलती है, जिसका ग्रेडियेन्ट 1:20 है। लगभग 2 से ढाई घंटे की इस छोटी से यात्रा में इतने तीखे और घुमावदार मोड़ हैं कि कई बार सवारियों को अपने कोच की सीट पर बैठे-बैठे अचानक अगला कोच या कहीं-कहीं रेलवे ट्रेक पर घुमाव लेते हुए पूरी ट्रेन ही नजर आ जाती है ऐसे में ये दृश्य काफी आकर्षक लगता है।

अद्भुत पर्यटक स्थल सराहन घाटी

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला और किन्नौर जिले की सीमा पर बसा सराहन स्वर्ग का एहसास कराने वाला एक सुंदर और अद्भुत पर्यटक स्थल है जो सराहन घाटी के नाम से भी जाना जाता है। यह क्षेत्र कई वर्षों तक पर्यटन के लिहाज से बचा रहा मगर अब पिछले कुछ वर्षों से इस तरफ पर्यटकों की भीड़ बढ़ने लगी है।

इसलिए अब सरकार ने भी इसे पर्यटन के लिए लिहाज से उपयुक्त समझा है। यह शहर समुद्रतल से 7,589 फुट की ऊंचाई पर स्थित है। इतिहास में इसको बुशहर नाम से भी जाना जाता है। इसके अतिरिक्त 51 शक्तिपीठों में से एक भीमाकाली माता का मंदिर भी इसी शहर में है। हिंदू और बौद्ध वास्तुशिल्प से निर्मित यह मंदिर लगभग 2,000 वर्ष पुराना है, मगर इसका जीर्णोद्धार कर इसको पुनः वही आकार दिया गया है।

पत्थरों और लकड़ी के इस्तेमाल से बना यह मंदिर शत-प्रतिशत भूकंपरोधी है। मंदिर के प्रांगण में खड़े होकर आप हिमालय को साक्षात निहार सकते हैं। इस मंदिर के नजदीक ही आपको एक पक्षी-विहार है जिसमें यहां के राज्य-पक्षी मोनाल सहित लगभग हर प्रकार के पहाड़ी पक्षी हैं। सरकार और स्थानीय लोगों के प्रयासों से रास्तों के दोनों तरफ लगाए गए तरह-तरह के फूल लहराते हुए पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

सराहन से लगभग सात किलोमीटर की दूरी पर यदि घाटी से थोड़ा नीचे उतरेंगे तो वहां आपको सतलज नदी का मनोहारी दृश्य मिलेगा। इसके अतिरिक्त सराहन से कुछ ही दूरी पर कामरू का ऐतिहासिक किला, चितकुल घाटी और बस्पा नदी जैसे अन्य पर्यटन स्थल भी हैं जहां आप आसानी आ-जा सकते हैं।

शहर अत्यधिक बड़ा न होने के कारण यहां यातायात के साधनों की आवश्यकता कम ही होती है इसलिए कुछ स्थानों पर पैदल भी घूमा जा सकता है। फिर भी यहां टैक्सी, बस आदि की सुविधा आसानी से मिल जाती है और महंगी भी नहीं है। पर्यटकों की सुविधा के लिए सरकार ने यहां आम से खास तक, सभी के बजट के अनुसार होटल और रेस्ट हाउस आदि का भी विशेष प्रबंध किया है।

यहां आने के लिए सर्दियां उचित समय नहीं है क्योंकि इस मौसम में यहां पर तापमान शून्य से भी नीचे ही रहता है। यहां आने के लिए मार्च से जून और सितंबर से अक्टूबर का समय बहुत ही अच्छा समय है। दिन के समय यहां का तापमान लगभग 30 से 32 डिग्री तक रहता है। मगर रात को ठंड बढ़ जाती है।

यदि अपनी गाड़ी से जा रहे हैं तो ध्यान दें कि शिमला से राष्ट्रीय राजमार्ग 22 से होते हुए रास्ते में थेयोग, नारकंडा, रामपुर और जैओरी नामक कुछ छोटे-छोटे पर्यटन स्थल भी आते हैं जहां आपको पेट्रोल पंप की सुविधा मिलेगी। शिमला से सराहन के बीच लगभग 180 किलोमीटर के इस रास्ते पर जब आप निकलेंगे तो आपका सामना देवदार के घने जंगलों, कई सारे छोटे-बड़े झरनों, खेतों एवं छोटे-छोटे अनेक गांवों से होगा।

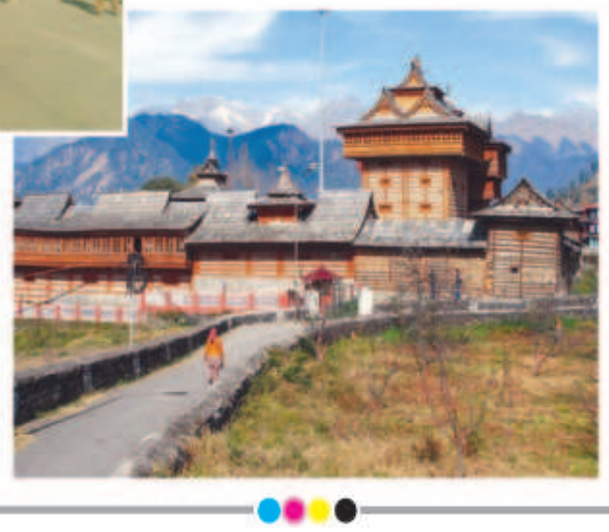

इन गांवों से होकर जाने पर आपको उनके पारंपरिक पहनावे और संस्कृति की भी झलक देखने को मिलेगी। सराहन जाने के लिए सड़क मार्ग ही है जो शिमला से टैक्सी, जीप या बस द्वारा भी जाया जा सकता है। यह दूरी लगभग 6-7 घंटे में आसानी से तय की जा सकती है।

यह रास्ता अधिकतर सतलुज नदी के किनारे से गुजरता है, इसलिए इसकी तेज धारा आपको एक नए संगीत की से रू-ब-रू कराएगी। इसके अतिरिक्त जैसे-जैसे आप सराहन के नजदीक पहुंचेंगे वैसे-वैसे आपको मार्ग के किनारे अनेक प्रकार की जड़ी-बूटियां भी नजर आने लगेंगी।

नवरात्र में व्रत रखने के साथ-साथ सेहत का ध्यान रखना भी जरूरी

नवरात्र में नौ दिन के व्रत में सामान्यत- फलाहार लिया जाता है। कुछ लोग केवल एक वक़्त खाते हैं और कुछ फलाहार के चलते सामान्य दिनों के मुकाबले अधिक असंतुलित आहार लेने लगते हैं। इससे शरीर को पोषण तो नहीं मिलता, लेकिन कैलोरी, वसा और शर्करा की मात्रा ज़रूर बढ़ जाती है। इसी तरह लंबे अंतराल के बाद जब कुछ खाते हैं तो

कि किन खाद्यों के सेवन से आप अपने व्रत को स्वास्थ्य की दृष्टि से भी सार्थक बना सकते हैं...

पर्याप्त तरल पदार्थ

व्रत के दौरान शरीर को हाइड्रेटेड रखना भी ज़रूरी है। पर्याप्त मात्रा में पानी तो पीना ही है, साथ में अन्य तरल पदार्थ जैसे नींबू का जूस या शिकंजी और नारियल पानी भी पिएं। फलों का रस ले सकते हैं लेकिन छाने बिना यानी कि जिसमें फल के रेशे भी हों। फलों के रस के साथ-साथ फाइबर भी मिलेगा जो कि भोजन को पचाने के लिए बहुत ज़रूरी है। तरल पदार्थ से शरीर को ज़रूरी विटामिन और खनिज मिलेंगे। फाइबर युक्त भोजन लेने की दूसरी वजह यह भी है कि व्रत के दरमियान कम भोजन ग्रहण करने से कब्ज़ की समस्या हो सकती है। इसलिए

लोग ले सकते हैं जिन्हें फल खाना पसंद नहीं या चबा नहीं सकते। यह भी ध्यान रखें कि जूस घर का बना ही पीना है।

खानपान की सलाह

कम होती है और पोषक तत्वों की मात्रा अधिक होती है। इसी तरह कम वसा युक्त दही, लस्सी और छाछ ले सकते हैं। तेल की बहुत कम मात्रा में भुनी हुई मूंगफली, कुट्टू के आटे की रोटियां ले सकते हैं। कम तेल या घी में बने हुए फलाहारी आलू, साबूदाना खिचड़ी या टिक्की ले सकते हैं। तेल में तली हुई टिक्कियां खाने से बचें। आलू के बजाय लौकी की सब्ज़ी और हलवा (कम घी में) ले सकते हैं। सबसे ज़रूरी बात, व्रत के दौरान घर का बना शुद्ध भोजन ही खाएं।

फल-सब्जियां लें

व्रत में फल और सब्ज़ियों के सलाद का सेवन कर सकते हैं। एक या

पर्याप्त मात्रा ले सकते हैं। गैर मौसमी फल, जैसे तरबूज, खरबूज, संतरे आदि का सेवन बिल्कुल न करें। वहीं सब्ज़ियों में खीरा, टमाटर, चुकंदर, हरा धनिया और शकरकंद आदि पर सेंधा नमक और काली मिर्च पाउडर डालकर खाया जा सकता है।

थोड़ा-थोड़ा खाएं

ऐसे कई लोग हैं जो व्रत के दौरान दिनभर कुछ नहीं खाते, और जब खाते हैं तो भूख से अधिक खा लेते हैं, जैसे कि एक प्लेट भरकर फलाहारी आलू, सिंघाड़े का हलवा, थोड़े-से आलू के चिप्स और एक गिलास दूध। इससे स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचेगा और वज़न भी बढ़ेगा। एक-साथ खाने के बजाय बेहतर है कि आप दिनभर में तीन-चार बार थोड़ा-थोड़ा खाएं।

शरीर को आराम दें

इस दौरान खानपान में बदलाव होने के कारण आपके दिमाग और शरीर को खानपान के पैटर्न को समझने में समय लगेगा। इस स्थिति में थोड़ा आलस्य महसूस हो सकता है या चिड़चिड़ाहट हो सकती है। बेहतर होगा कि समय-समय पर आराम करें। रात को जल्दी सोएं और भरपूर नींद लें। यदि दफ़्तर में हैं तो दिमाग़ और शरीर को अधिक मेहनत न कराएं।

दिवाली की तैयारी कई महीनों पहले से ही शुरू हो जाती है। अमूमन महिलाएं दिवाली से पहले अपने घर के कोने-कोने की सफाई कंप्लीट कर लेना चाहती हैं। यूं तो हम सभी अपने घर को समय-समय पर साफ करते हैं, लेकिन दिवाली के अवसर पर घर के हर कोने को साफ किया जाता है।

दिवाली पर आपकी क्लीनिंग को बेहद आसान बनाएंगे ये गैजेट्स

दिवाली वर्ष में एक बार आने वाला ऐसा त्योहार होता है, जिसकी तैयारी कई महीनों पहले से ही शुरू हो जाती है। अमूमन महिलाएं दिवाली से पहले अपने घर के कोने-कोने की सफाई कंप्लीट कर लेना चाहती हैं। यूं तो हम सभी अपने घर को समय-समय पर साफ करते हैं, लेकिन दिवाली के अवसर पर घर के हर कोने को साफ किया जाता है। अगर आप दिवाली की सफाई बिना किसी परेशानी के बेहद ही आसान तरीके से करना चाहती हैं तो इन गैजेट्स की मदद ले सकती हैं। हालांकि, ऐसा करने में बहुत अधिक समय व मेहनत खर्च करना पड़ता है। कई बार महिलाओं का बहुत अधिक समय दिवाली की सफाई करने में ही खर्च हो जाता है। लेकिन अगर आप अपने समय व मेहनत को बचाना चाहती हैं तो कुछ गैजेट्स को खरीद सकती हैं। यह क्लीनिंग गैजेट्स आपके घर की सफाई के काम को ना केवल आसान बनाते हैं, बल्कि इससे आपको अधिक बेहतर रिजल्ट भी मिलते हैं।

खरीदें स्क्रीन क्लीनिंग ब्रश

यह एक मल्टीफ़ंक्शनल स्क्रीन ब्रश होता है, जिसकी मदद से आप ग्लॉस, खिड़कियों, काउंटरटॉप आदि कई जगहों की बेहद आसानी से सफाई कर सकती हैं। आप इसे लिंट ब्रश के रूप में भी उपयोग कर सकती हैं और अपने कपड़े, सोफे आदि से धूल और बालों को हटा सकते हैं। इसकी खासियत यह है कि इसे गीला व व सूखा दोनों तरह से इस्तेमाल किया जाता है। धूल हटाने की सफाई इसे सूखा उपयोग करें, वहीं विंडो क्लीन करने के लिए इसे गीला इस्तेमाल करें।

खरीदें माइक्रोफाइबर फैन क्लीनिंग डस्टर

यह एक बेहद ही काम का प्रोडक्ट है, जो दिवाली की क्लीनिंग के दौरान आपके बेहद ही काम आने वाला है। यह वास्तव में एक फैन क्लीनिंग डस्टर है, लेकिन आप इससे सिर्फ फैन ही नहीं, बल्कि अपने घर के कई कोनों को आसानी से साफ कर सकती है। फर्श की सफाई करने से लेकर आप झूमर, दीवारें व कई ऐसी जगहों को क्लीन कर सकती हैं, जिसे हाथों की मदद से साफ करना काफी कठिन है। माइक्रोफाइबर फैब्रिक के उपयोग के कारण आपको अधिक बेहतर रिजल्ट मिलता है।

खरीदें शॉवर हेड क्लीनिंग ब्रश

दिवाली की सफाई के दौरान बाथरूम को साफ करना काफी मुश्किल होता है और इसमें काफी वक्त भी लगता है। मसलन, अगर आप शॉवर हैड को क्लीन करते हैं तो उसके छोटे-छोटे छेदों को साफ करना यकीनन एक टफ टास्क है। ऐसे में आप शॉवर हेड क्लीनिंग ब्रश का इस्तेमाल करें। इसके ब्रश ऐसे होते हैं जो उन छोटे छेदों को अनक्लॉग करके उसे अच्छी तरह साफ करने में आपकी मदद करते हैं। हालांकि, इस ब्रश की मदद से आप शॉवर हेड के अलावा अपना फोन या घर की टैप आदि को भी साफ कर सकती हैं।

खरीदें इलेक्ट्रिक स्पिन स्क्रबर

दिवाली पर जब महिलाएं अपने घर को साफ करना शुरू करती हैं तो वह हर कोने को साफ करने के लिए उसे अच्छी तरह रगड़ती हैं। जिसके कारण उनके हाथों से लेकर कमर तक में दर्द हो जाता है। लेकिन अगर आप इस दिवाली इलेक्ट्रिक स्पिन स्क्रबर खरीदती हैं तो आपको अपने घर को रगड़ने की मेहनत नहीं करनी पड़ेगी। आप अपने फर्श से लेकर दीवारों, शॉवर, बाथटब, किचन आदि जगहों पर इस इलेक्ट्रिक स्पिन स्क्रबर का इस्तेमाल करें। यह कुछ ही मिनटों में उस जगह को एकदम से चमका देगा।

बाजार से परफ्यूम क्यों खरीदना? बस इन एसेंशियल ऑयल का करें इस्तेमाल

गुलाब के फूलों की खुशबू से बेहतर दूसरी खुशबू शायद ही कोई और हो। इसलिए आप रोज एसेंशियल ऑयल को बतौर परफ्यूम इस्तेमाल करें। इसकी महक काफी तेज होती है, इसलिए आपको इस तेल का उपयोग विवेकपूर्ण तरीके से करना चाहिए। एक बूंद आपको प्यारी महक देगी।

हम सभी अपनी डे टू डे लाइफ में तरह-तरह के परफ्यूम का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं। इनकी महक आपको एक फील गुड देता है। लेकिन कई लोगों को परफ्यूम के इस्तेमाल के कारण परेशानी होती है। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका है कि आप एसेंशियल ऑयल को ही परफ्यूम की तरह इस्तेमाल करें। यह ना केवल आपको पूरा दिन महकाने में मदद करेंगे, बल्कि आपको अन्य भी कई लाभ मिलेंगे। कई परफ्यूम में फ़ेथलेट्स जैसे हानिकारक सिंथेटिक तत्व होते हैं, वहीं दूसरी ओर एसेंशियल ऑयल सिंथेटिक नहीं होते हैं और इनमें वास्तव में उपचार गुण **हो सकते हैं।**

जैसमीन एसेंशियल ऑयल

जैसमीन एसेंशियल ऑयल एक **ऐसा ऑयल** है, जिसे परफ्यूम के रूप में आ**सानी से** इस्तेमाल किया जा सकता है। **यह महंगा** है, लेकिन किसी खास अवसर **के लिए** इसे इस्तेमाल किया जा सकता **है।** इस तेल में एक मीठी, फूलों की सुगंध है जो आपको ऐसा महसूस कराएगी कि आप चमेली के बगीचे से गुजर रहे हैं। चमेली के तेल में अपनी मादक सुगंध के अलावा चिंता को कम करने की क्षमता भी होती है। तो ऐसे में आप खुद को तनावमुक्त रखने के लिए भी इसके इस्तेमाल पर विचार कर सकते हैं।

रोज एसेंशियल ऑयल

गुलाब के फूलों की खुशबू से बेहतर दूसरी खुशबू शायद ही कोई और हो। इसलिए आप रोज एसेंशियल ऑयल को बतौर परफ्यूम इस्तेमाल करें। इसकी महक काफी तेज होती है, इसलिए आपको इस तेल का उपयोग विवेकपूर्ण तरीके से करना चाहिए। **एक बूंद आपको प्यारी महक देगी।**

इलंग इलंग एसेंशियल ऑयल

इलंग इलंग एसेंशियल ऑयल इलंग इलंग फूलों से बनाया जाता है। इसकी सुगंध काफी आनंददायक होती है। यह आपको एक खुशनुमा अहसास करवाती है। अगर आप चाहें तो इसे भी बतौर परफ्यूम इस्तेमाल करने पर विचार कर सकते हैं। इसकी खुशबू काफी रोमांटिक होती है। इंडोनेशिया में तो नवविवाहितों के पलंगों के **ऊपर इलंग इलंग के फूल बिछाए जाते हैं।**

फलाहार के नए स्वाद

स्टफ्ड साबूदाना बड़ा, मीठे में पान की मिठाई और फलों का श्रीखंड बनाएं

नवरात्र में व्रत के दौरान फलाहार को लेकर अक्सर असमंजस बना रहता है कि हर रोज़ ऐसा क्या बनाएं, जो स्वाद में नयापन लिए हो और सेहत के लिहाज़ से भी ठीक हो। आपकी इस मुश्किल को दूर करने के लिए हम नौ दिनों के लिए नौ खास रेसिपी यहां प्रस्तुत कर रहे हैं। इन्हें तैयार करने में समय भी कम लगेगा और व्रत में नया फलाहार भी मिलेगा।

स्टफ्ड साबूदाना वड़ा

क्या चाहिए

दही- 5 बड़े चम्मच (हंग कर्ड), जीरा पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच, आलू- 4 मध्यम आकार के उबले हुए, साबूदाना- 1 कप (6-8 घंटे पानी में

मूंगफली- 1/2 कप दरदरी पिसी, हरा धनिया- आवश्यकतानुसार, सेंधा नमक- स्वादानुसार, काली मिर्च पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच। भरावन के लिए- दही- 5 बड़े चम्मच (हंग कर्ड), जीरा पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच, सेंधा नमक- स्वादानुसार।

ऐसे बनाएं

बोल में आलुओं को मसल लें। इसमें साबूदाना, हरी मिर्च, हरा धनिया, सेंधा नमक, काली मिर्च पाउडर, अमचूर पाउडर और मूंगफली डालकर गूंध लें। अलग बोल में भरावन की सामग्री मिला

भरावन भरें। वड़े को बंद करके गर्म तेल में सुनहरा भूरा होने तक तल लें। साबूदाना वड़े को चटनी के साथ परोसें।

पान की मिठाई

क्या चाहिए

मिल्क पाउडर- 6 बड़े चम्मच, आइसिंग शुगर- 1 बड़ा चम्मच, खाने वाला नारियल तेल- 5 बड़े चम्मच, गुलकंद- 1 बड़ा चम्मच, पान का

लिए- फूल के आकार का सिलिकॉन सांचा।

ऐसे बनाएं

मिक्सिंग जार में मिल्क पाउडर, आइसिंग शुगर, नारियल तेल, गुलकंद और पान का पत्ता डालकर पीस लें। अब सांचे में पहले 4-5 टूटी परूटी डालें फिर थोड़ा पिसा हुआ मिश्रण डालकर अच्छी तरह से दबा दें। मिश्रण भरे सांचे को फिज में रखें और आधे घंटे बाद निकालें। अब हल्के हाथों से सांचे को दबाते हुए मिठाई को बाहर निकाल लें। इसे सामान्य तापमान में लाकर या ठंडा ही सर्व करें।

समा चावल फिरनी

क्या चाहिए

समा के चावल- 1/4 कप, दूध- 500 मिली, शक्कर- स्वादानुसार, बादाम और काजू- 1/2-1/2 बड़ा चम्मच कटे हुए, पिस्ता- 1 छोटा चम्मच कटा हुआ, इलायची पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच, अनन्नास के टुकड़े- 1/4 कप, केसर- 5-6 धागे।

ऐसे बनाएं

कड़ाही में दूध उबलने रखें। एक-दो उबाल आने पर समा के चावल

जब तक कि वो गाढ़ी न हो जाए। चावल पकने के बाद आखिर में

काजू, पिस्ता और इलायची पाउडर डालकर मिलाएं। फिरनी को ठंडा करके अनन्नास के टुकड़े डालकर परोसें।

पनीर-केला रोल्स

क्या चाहिए

पनीर- 200 ग्राम, हरी मिर्च- 3 बारीक कटी, नमक- स्वादानुसार, काली मिर्च- 1/4 छोटा चम्मच, हरा धनिया- जरूरत के अनुसार। लपेटने के लिए- कच्चे केले- 1-2, लौंग- 8-10, तेल- 2 बड़े चम्मच। सलाद के लिए- गाजर- 2 किसी हुई, ऑलिव ऑयल- 1 बड़ा चम्मच, तिल- 1/2 छोटा चम्मच, काली मिर्च पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच, नमक- स्वादानुसार।

ऐसे बनाएं

कच्चे केले को छीलकर उसकी लंबी स्लाइस काट लें। इन स्लाइस को पैन में एक चम्मच तेल डालकर शैलो फाय करें। इन्हें टिशू पेपर

लें फिर इसमें हरी मिर्च, हरा धनिया, नमक और काली मिर्च पाउडर मिला दें। पनीर की छोटी-छोटी बॉल्स बना लें और केले की स्लाइस से लपेटकर उनमें लौंग लगा दें, ताकि ये खुलें नहीं। अब इन पनीर रोल्स को पैन में एक चम्मच तेल डालकर दोनों तरफ से सुनहरा होने तक शैलो फाय करें। सलाद बनाने के लिए कद्दूकस की हुई गाजर में नमक, काली मिर्च पाउडर, तिल और ऑलिव ऑइल मिलाएं। प्लेट में गाजर का सलाद और पनीर-केला रोल्स रखकर परोसें।

जिरीघाट में असम राइफल्स की बडी कार्रवाई, १.२ करोड.रुपये की हेरोइन जब्त काछाड.जिले में मादक पदार्थों की तस्करी की कोशिश नाकाम, एक गिरफ्तार

प्रे.सं.शिलचर, २२ जुलाई: काछाड.जिले के जिरीघाट इलाके में असम राइफल्स ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बडी कार्रवाई करते हुए करीब १.२ करोड.रुपये मूल्य की २३४ ग्राम हेरोइन बरामद की।

अभियान के दौरान एक संदिग्ध तस्कर को गिरफ्तार किया गया।असम राइफल्स के जवानों ने काछाड.पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर त्वरित कार्रवाई करते हुए संदिग्ध मादक पदार्थ तस्करों को रोकने के लिए संयुक्त अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान एक व्यक्ति को पकडा गया और उसके कब्जे से २० साबुनदानीनुमा पैकेटों में छिपाकर रखी गई लगभग २३४ ग्राम हेरोइन बरामद हुई।अभियान के दौरान एक पल्सर मोटरसाइकिल और एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया, जिनका इस्तेमाल कथित तौर पर मादक पदार्थों की आवाजाही में किया जा रहा था।गिरफ्तार व्यक्ति और बरामद मादक पदार्थों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए पुलिस को सौंप दिया गया है।असम राइफल्स और काछाड.पुलिस के बीच प्रभावी समन्वय से हुई इस कार्रवाई को क्षेत्र में सक्रिय मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क के खिलाफ महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। असम राइफल्स ने मादक पदार्थों के खतरे को समाप्त करने तथा क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

दिल्ली प्रदर्शन में बच्चे पर आंसू गैस की खबर पर संजना गणेशन की प्रतिक्रिया, बोलीं ऐसा किसी के साथ भी हो सकता

नई दिल्ली. (एजें) २२ जुलाई : दिल्ली में जारी 'संसद चलो' प्रदर्शन के दौरान छह वर्षीय बच्चे के आंसू गैस से प्रभावित होने की खबर पर भारतीय क्रिकेटर जसप्रीत बुमराह की पत्नी और खेल प्रस्तोता संजना गणेशन ने चिंता जताई है. उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि किसी भी लोकतंत्र में ऐसी स्थिति सामान्य नहीं मानी जानी चाहिए, जहां किसी बच्चे को सार्वजनिक स्थान पर आंसू गैस के कारण सांस लेने में तकलीफ हो. संजना की प्रतिक्रिया के बाद यह मामला सोशल मीडिया पर व्यापक चर्चा का विषय बन गया है.मंगलवार को दिल्ली में हुए प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच टकराव के बाद कई स्थानों पर आंसू गैस के गोले छोडे.गए और भीड.को तितर-बितर करने के लिए बल प्रयोग किया गया. इसी दौरान ऐसी खबरें सामने आई कि प्रदर्शन स्थल से कुछ दूरी पर मौजूद छह वर्षीय बच्चा भी आंसू गैस के प्रभाव की चपेट में आ गया. इस दावे के बाद सोशल मीडिया पर पुलिस कार्रवाई को लेकर सवाल उठने लगे और कई सार्वजनिक हस्तियों ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी.संजना गणेशन ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि यदि किसी प्रदर्शन से दूर बैठा छह साल का बच्चा भी ऐसी स्थिति का शिकार हो सकता है, तो यह किसी के साथ भी हो सकता है. उन्होंने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में बच्चों का आंसू गैस के कारण सांस लेने के लिए संघर्ष करना सामान्य नहीं माना जा

सकता. उन्होंने यह भी कहा कि शांतिपूर्ण नागरिकों को उन लोगों से डरने की नौबत नहीं आनी चाहिए, जिनकी जिम्मेदारी उनकी सुरक्षा करना है.दिल्ली में चल रहे इस आंदोलन के दूसरे दिन भी हालात तनावपूर्ण बने रहे. प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच कई स्थानों पर झडप़ की घटनाएं सामने आई. हालात को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने बैरिकेडिंग, लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल किया. विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार इस कार्रवाई में बडी संख्या में प्रदर्शनकारी घायल हुए. विपक्षी दलों और कई नागरिक संगठनों ने पूरे घटनाक्रम की स्वतंत्र जांच की मांग की है.

प्रदर्शन के दौरान कई राजनीतिक नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं को भी हिरासत में लिया गया. सुरक्षा व्यवस्था कडी करते हुए राजधानी के संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया. प्रधानमंत्री आवास के आसपास भी सुरक्षा घेरा बढा दिया गया ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके.प्रदर्शनकारी शिक्षा से जुडे.विभिन्न मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार से जवाबदेही की मांग कर रहे हैं. इस बीच आंदोलन से जुडे. प्रतिनिधियों ने केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा से भी मुलाकात की, हालांकि बातचीत के बाद किसी अंतिम समाधान की घोषणा नहीं की गई. आंदोलन फिलहाल जारी है और विभिन्न पक्षों की ओर से घटनाक्रम पर लगातार प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं.संजना गणेशन की सोशल मीडिया प्रतिक्रिया के बाद प्रदर्शन के दौरान बल प्रयोग, आम नागरिकों की सुरक्षा और पुलिस की कार्रवाई को लेकर बहस और तेज हो गई है. हालांकि, बच्चे के प्रभावित होने संबंधी दावों और पूरे घटनाक्रम की आधिकारिक जांच तथा विस्तृत तथ्य सामने आने का इंतजार किया जा रहा है.

संसद मार्च में छात्रों को मिला बॉलीवुड का साथ, पर क्यों मौन हैं सबसे बडे.स्टार्स?

नई दिल्ली (एजें) २२ जुलाई : 'कॉकरोच जनता पार्टी' का विरोध प्रदर्शन अब पूरे देश में आग की तरह फैल चुका है। आम लोगों के साथ-साथ सेलेब्स भी आगे आकर आवाज उठा रहे हैं। कई फिल्मी स्टार्स ने खुलकर मुद्दे पर बात की है, लेकिन कई बडे.नाम अब भी चुप हैं।राष्ट्रीय राजधानी में 'कॉकरोच जनता पार्टी' के विरोध-प्रदर्शन के बीच, प्रीति जिंटा ने भी केंद्र सरकार से बातचीत शुरू करने की अपील की है। मंगलवार को बॉलीवुड एक्ट्रेस ने अपने द हैंडल पर सोनम वांगचुक की सेहत को लेकर चिंता जाहिर की। उन्होंने सोनम से अपनी भूख हडताल खत्म करने का अनुरोध किया और विरोध कर रहे छात्रों को अपना समर्थन दिया। प्रीति ने लिखा, 'मुझे उम्मीद है कि हमारी सरकार सोनम वांगचुक और छात्र संगठनों के साथ सार्थक बातचीत शुरू करेगी ताकि उनकी सेहत और न बिगडे! प्लीज सोनम, अपना उपवास खत्म करें। आपकी सेहत भी इस लडाई जितनी ही जरूरी है। आप और छात्र भारत और हमारे युवाओं के भविष्य के लिए लड.रहे हैं। हमारी शिक्षा प्रणाली को बेहतर और अपग्रेड करने की इस लडाई में हर छात्र और सोनम को मेरा दिल से और अटूट समर्थन है। आप सभी को और हिम्मत मिले। जय हिंद।'सोमवार को हनुमानकाइंड ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पुलिस की कार्रवाई से पहले हुए विरोध प्रदर्शन का एक वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में प्रदर्शनकारी भारतीय झंडे लहराते और अपनी आवाज उठाते हुए दिखाई दे रहे थे। वीडियो पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, 'ठीक उसी समय जब पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोडे.और लोगों पर लाठियां बरसाईं।' उन्होंने मार्च के दौरान लाठीचार्ज और आंसू गैस का सामना कर रहे प्रदर्शनकारियों का एक और वीडियो भी री-शेयर किया। रैपर ने अपनी राय जाहिर करते हुए लिखा, 'आज जो लोग इकट्ठा हुए थे, उनके खिलाफ इस तरह के बल प्रयोग का कोई औचित्य नहीं है। यह मानना ??कि हम बेहतर के हकदार हैं, कोई अपराध नहीं है। मैंने दो बहुत अलग-अलग तरह के प्रदर्शन देखे। एक जो लोगों ने किया। दूसरा जो प्रतिक्रिया के तौर पर हुआ।'एक्टर अतुल कुलकर्णी ने प्रोटेस्ट के अगले दिन का मंजर खुद बयां किया है और एक ऐसी कविता पढी, जो हर किसी को सोचने पर मजबूर कर सकती है। उन्होंने वीडियो शेयर करते हुए उसमें कहा, 'ऐ पुलिस-सिपाही लाठी वाले, क्या घर जाकर तू रोया कल, ऐ मेरे संसद के सांसद क्या घर जाकर तू सोया कल। मैं कल रोया खून के आंसू, ना मैं सोया किसको कोसूं।'

असम सरकार के बजट को बताया आधारभूत संरचना के विकास और समग्र प्रगति को गति देने वाला बजट

प्रे.सं.लखीमपुर २२ जुलाई भारतीय जनता पार्टी, लखीमपुर जिला समिति की ओर से आज सोमवार को नॉर्थ लखीमपुर प्रेस क्लब में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई।इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में रंगानदी विधानसभा क्षेत्र के विधायक ऋषिराज हजारिका, बिहपुरिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक भूपेन बोरा, जिला भाजपा अध्यक्ष श्यामल शर्मा, जिला महासचिव शांतनु बुढ़ागोहाई तथा जितेन दत्ता उपस्थित रहे।प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भाजपा नेताओं ने जनकल्याणकारी बजट और विकास योजनाओं की दी जानकारी देते हुए असम सरकार द्वारा विधानसभा के बजट सत्र में प्रस्तुत जनकल्याणकारी बजट की प्रमुख विशेषताओं, विकासोन्मुखी योजनाओं और उनके आम जनता पर पडने़ वाले व्यापक सकारात्मक प्रभावों की जानकारी दी गई। उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने राज्य सरकार की विकासपरक नीतियों और जनहितकारी योजनाओं को जनता के लिए लाभकारी बताते हुए उनके प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। भाजपा नेताओं ने कहा कि राज्य सरकार का बजट आम जनता के कल्याण, आधारभूत संरचना के विकास और समग्र प्रगति को गति देने वाला बजट है। उन्होंने सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प भी दोहराया। लायंस क्लब लखीमपुर प्रेरणा को मिला नया नेतृत्व, तजवर सुल्ताना तालुकदार बनीं नई अध्यक्ष।।लखीमपुर में विश्व के सबसे बडे.स्वयंसेवी संगठन लायंस क्लब इंटरनेशनल की शाखा लायंस क्लब लखीमपुर प्रेरणा के सत्र २०२६-२७ के नए पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में नई कार्यकारिणी ने समाज सेवा के प्रति समर्पण और सेवा भाव के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। रविवार को लखीमपुर बाईपास स्थित रेनबो फैमिली रेस्टोरेंट के मीटिंग हॉल में आयोजित कार्यक्रम में श्रीमती तजवर सुल्ताना तालुकदार ने क्लब की नई अध्यक्ष के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। वहीं डॉ. मंदिरा शर्मा चालिया ने सचिव तथा श्रीमती उर्मिला दिनोदिया ने कोषाध्यक्ष का कार्यभार संभाला। लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट ३२२ऊकी नवनियुक्त डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. नीना दत्ता ने मुख्य अतिथि एवं चीफ इंस्टॉलेशन ऑफिसर के रूप में सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों का पारंपरिक फूलन गमछा पहनाकर स्वागत करने से हुईइस अवसर पर डॉ. निशांत राजकाकोती ने डॉ. नीना दत्ता के सामाजिक योगदान पर प्रकाश डाला, जबकि निवर्तमान सचिव उर्मिला दिनोदिया ने वर्ष २०२५-२६ की सेवा गतिविधियों और उपलब्धियों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की।समारोह में डॉ. नीना दत्ता को सम्मान स्वरूप पारंपरिक पीतल की जपी और चैलेंग चादर भेंट की गई। कार्यक्रम में रीजन चेयरपर्सन रक्तिम गोगोई, जोन चेयरपर्सन माणिक लाल दमानी, पल्लवी तमोली कोंवार, संजीव चटजी, राजीव दत्ता सहित कई वरिष्ठ लायंस पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

गुरुचरण विश्वविद्यालय में शहीद जगन-यीशु स्मृति दिवस आयोजित

शिलचर, मंगलवार। प्रे.सं. २२ जुलाई : गुरुचरण विश्वविद्यालय के बंगला विभाग के तत्वावधान में मंगलवार को ४०वां शहीद जगन-यीशु (दिव्येंदु दास एवं जगन्मय देव) आत्मबलिदान दिवस श्रद्धा और गरिमा के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम के प्रथम चरण में विश्वविद्यालय परिसर स्थित शहीद वेदी पर शहीद जगन-यीशु के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. निरंजन राय, रजिस्ट्रार डॉ. विद्युत कांति पाल, शैक्षणिक रजिस्ट्रार डॉ. अभिजीत नाथ, असम विश्वविद्यालय के बंगला विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. विश्वतोष चौधरी, कछार कॉलेज के अंग्रेजी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष संतोष चक्रवर्ती, वित्त अधिकारी रणविजय दास सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक-शिक्षिकाओं और विद्यार्थियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।इसके बाद विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित स्मरण सभा में उपस्थित विशिष्ट अतिथियों का उत्तरीय पहनाकर स्वागत किया गया।

स्वागत भाषण में शैक्षणिक रजिस्ट्रार डॉ. अभिजीत नाथ ने कहा कि १९ मई को ५ ज्येष्ठ के रूप में भी स्मरण किया जाना चाहिए। उन्होंने १९८६ के भाषा आंदोलन को बंगला तिथि के अनुसार मनाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह दिन केवल बराक घाटी के भाषा शहीदों को ही नहीं, बल्कि मातृभाषा के लिए बलिदान देने वाले पूरे भारत के सभी शहीदों को श्रद्धापूर्वक याद करने का अवसर है। उन्होंने विश्व की सभी मातृभाषाओं के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि इस वर्ष शहीद जगन-यीशु के आत्मबलिदान की ४०वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है।विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. विद्युत कांति पाल ने दिवस के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी मातृभाषा के प्रति सम्मान रखना चाहिए तथा भाषा की गरिमा और अधिकारों की रक्षा के प्रति जागरूक रहना चाहिए।

असम विश्वविद्यालय के बंगला विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. विश्वतोष चौधरी ने कहा कि हमारी संस्कृति, सभ्यता और अस्तित्व की बुनियाद मातृभाषा है। राष्ट्रीय चेतना भी मातृभाषा से गहराई से जुडी हुई है। उन्होंने १९६१ के भाषा संबंधी सर्कुलर के लंबे समय तक दबे रहने के बाद फिर से सामने आने के इतिहास का उल्लेख किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बराक घाटी के लोगों का असमिया भाषा अथवा किसी अन्य भाषा और उसके भाषाभाषी लोगों से कोई विरोध नहीं है।

प्रो. चौधरी ने विश्व की पहली महिला मातृभाषा सेनानी शहीद कमला भट्टाचार्य को श्रद्धापूर्वक याद किया। उन्होंने कहा कि यह दिन आत्ममंथन का भी दिन है। अंग्रेजी भाषा से किसी प्रकार का विरोध नहीं है; विरोध अंग्रेजियत की मानसिकता से होना चाहिए, अंग्रेजी भाषा से नहीं।मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कछार कॉलेज के अंग्रेजी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष संतोष चक्रवर्ती ने कहा कि भाषा और संस्कृति के संरक्षण के प्रति समाज को जागरूक रहना होगा। दुनिया की प्रत्येक भाषा के प्रति समान सम्मान का भाव होना चाहिए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भाषा शहीदों की सूची और लंबी न हो।अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो. निरंजन राय ने भाषा शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए १९८६ के भाषा आंदोलन की घटनाओं को याद किया। उन्होंने कहा कि उस समय बराक घाटी में तीसरी भाषा के रूप में असमिया थोपने के प्रयास के विरोध में भाषा आंदोलन शुरू हुआ था। उन्होंने बताया कि उस समय वे शिक्षा संरक्षण समिति के स्वयंसेवक के रूप में आंदोलन से जुडे.थे। समिति ने शांतिपूर्ण तरीके से काले झंडे दिखाकर विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया था, लेकिन इसी शांतिपूर्ण आंदोलन पर गोलीबारी की गई।कुलपति ने उस समय की घटनाओं का विस्तार से उल्लेख करते हुए कहा कि मातृभाषा का संरक्षण और सम्मान प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा को दिए गए महत्व का भी उल्लेख किया।पूरे कार्यक्रम का संचालन डॉ. उत्तम पालुआ ने किया।

अरुणाचल के साइकिलिस्ट जॉयमैन मोसांग ने ३,४०० km का गोवा-मनमाओ एक्सपीडिशन पूरा किया; असम राइफल्स ने उन्हें सम्मानित किया

चांगलांग (अरुणाचल प्रदेश): (अर्णव शर्मा) २२ जुलाई : अरुणाचल प्रदेश के युवा साइकिलिस्ट जॉयमैन मोसांग ने हिम्मत और पक्के इरादे का शानदार प्रदर्शन करते हुए गोवा से मनमाओ तक का ऐतिहासिक ३,४०० ज्ञा का साइकिलिंग एक्सपीडिशन सफलतापूर्वक पूरा किया है, जिससे उन्हें बहुत तारीफ मिली है और चांगलांग जिले को गर्व महसूस हुआ है। चांगलांग जिले के बरसोत्तम गांव के रहने वाले मोसांग ने २९ जून को अपनी यात्रा शुरू की और कई राज्यों में हजारों किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद २० जुलाई, २०२६ को इसे खत्म किया। इस कामयाबी के साथ, वह गोवा-मनमाओ का मुश्किल रास्ता पूरा करने वाले अरुणाचल प्रदेश के पहले तांगसा साइकिलिस्ट बन गए हैं। इस कामयाबी को राज्य में एडवेंचर स्पोर्ट्स के लिए एक मील का पत्थर और अरुणाचल प्रदेश के उभरते हुए साइकिलिस्ट और युवा एथलीटों के लिए एक प्रेरणा माना गया है। उनके पहुंचने पर, जयरामपुर और मनमाओ के लोगों और अलग-अलग ऑर्गनाइजेशन ने मोसांग का जोरदार स्वागत किया, और इस मुश्किल एक्सपीडिशन के दौरान उनकी लगन, डिसिप्लिन और पक्के इरादे की तारीफ.की।उनकी इस खास कामयाबी को देखते हुए,, असम राइफल्स की चांगलांग बटालियन ने जॉयमैन मोसांग को सम्मानित किया और उनके आगे के कामों के लिए शुभकामनाएं दीं। फोर्स ने 'नॉर्थ ईस्ट के लोगों के दोस्त' होने के अपने सिद्धांत के मुताबिक, नॉर्थईस्ट के टैलेंटेड युवाओं को बढावा देने और उन्हें सपोर्ट करने का अपना वादा दोहराया।

मोसांग की कामयाबी अरुणाचल प्रदेश की हिम्मत, हिम्मत और बढते स्पोर्टिंग पोटेंशियल का सबूत है, जो नई पीढी को एडवेंचर और एंड्योरेंस स्पोर्ट्स में बेहतरीन करने के लिए प्रेरित करती है।

'शिलचर को बचाने के लिए बदलाव जरूरी'कांग्रेस के पर्चे में वर्तमान नगर प्रशासन पर लगाए कई आरोप

प्रे.सं. शिलचर, २२ जुलाई। आगामी नगर निकाय चुनाव को लेकर शिलचर में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। कांग्रेस की ओर से शहर के विभिन्न इलाकों में 'शिलचर को बचाने के लिए बदलाव जरूरी' शीर्षक से पर्चे वितरित किए गए हैं। पर्चे में वर्तमान शिलचर नगर

प्रशासन पर कई गंभीर आरोप लगाते हुए आगामी नगर निकाय चुनाव में बदलाव का आह्वान किया गया है।कांग्रेस के पर्चे में दावा किया गया है कि पिछले कुछ वर्षों में शहर की नागरिक सेवाओं में गिरावट आई है। मामूली बारिश में जलजमाव, शुद्ध पेयजल की समस्या, महंगाई, बेरोजगारी, निर्वाचित नगर बोर्ड का अभाव, यातायात जाम तथा शहर में असामाजिक गतिविधियों में वृद्धि जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया है।पर्चे में आरोप लगाया गया है कि वर्तमान नगर प्रशासन नागरिकों की अपेक्षाओं को पूरा करने में विफल रहा है। बेहतर नागरिक सुविधाओं और सुशासन के लिए बदलाव को आवश्यक बताते हुए कांग्रेस ने आगामी नगर निकाय चुनाव में अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की है।पर्चे के अंत में कांग्रेस के चुनाव चिह्न 'हाथ' पर वोट देकर शिलचर के विकास के पक्ष में खडे.होने का आह्वान किया गया है। इसमें शिलचर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संजीव आचार्य का नाम भी उल्लेखित है।

इस पर्चे के वितरण के बाद शिलचर के राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। हालांकि, पर्चे में लगाए गए आरोपों पर वर्तमान नगर प्रशासन की ओर से अब तक कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

विहिप केंद्रीय प्रबंध समिति की बैठक में संगठनात्मक दायित्वों में फेरबदल

नई दिल्ली, २२ जुलाई। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की केंद्रीय प्रबंध समिति की दो दिवसीय बैठक १९ एवं २० जुलाई २०२६ को तेरापंथ भवन, छतरपुर, नई दिल्ली में संपन्न हुई। बैठक में देशभर से आए केंद्रीय पदाधिकारियों एवं प्रबंध समिति के सदस्यों ने भाग लिया। बैठक के दौरान समसामयिक राष्ट्रीय एवं सामाजिक विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श के बाद कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए।बैठक में जयपुर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व क्षेत्र मंत्री श्री सुरेश जी उपाध्याय, जोधपुर प्रांत संगठन मंत्री श्री राजेश जी पटेल, प्रांत मंत्री श्री परमेश्वर जी जोशी, जयपुर प्रांत मंत्री श्री राधेश्याम जी गौतम तथा चित्तौड.प्रांत मंत्री श्री कौशल जी गौड.ने किया।केंद्रीय निर्णय के अनुसार जयपुर क्षेत्र में संगठनात्मक दायित्वों में महत्वपूर्ण परिवर्तन किए गए हैं। इसके तहत श्री राजाराम जी को जयपुर क्षेत्र के क्षेत्र संगठन मंत्री के दायित्व से स्थानांतरित कर भोपाल क्षेत्र का क्षेत्र संगठन मंत्री बनाया गया है। वहीं, पटना क्षेत्र के क्षेत्र संगठन मंत्री श्री आनंद कुमार जी को जयपुर क्षेत्र का क्षेत्र संगठन मंत्री नियुक्त किया गया है।इसके अलावा उत्तर प्रदेश के काशी प्रांत के संगठन मंत्री श्री नितिन कुमार जी को चित्तौड.प्रांत का संगठन मंत्री नियुक्त किया गया है। विश्व हिंदू परिषद के जोधपुर प्रांत के प्रचार-प्रसार विभाग ने इन संगठनात्मक परिवर्तनों की जानकारी देते हुए सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी हैं।

तीन भुवनेर बंगाली पुस्तक का भव्य विमोचन कार्यक्रम दूसरा बराक भाषा शहीद

प्रे.सं.शिलचर, २२ जुलाई : इस अवसर पर, पूर्व छात्र नेता और बराक के प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता प्रदीप दत्ता रॉय द्वारा लिखित निबंधों की तीसरी पुस्तक 'तीन भुवनेर बंगाली' का औपचारिक विमोचन सिलचर के एक होटल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वम सामाजिक, संगस्थिका और क्रीडा संस्था के सदस्यों द्वारा गाए गए एक गीत से हुआ। कार्यक्रम का संचालन मनोज देब ने किया।इस कार्यक्रम में अनुभवी कवि-पत्रकार अतीन दास, अनुभवी पत्रकार हरन दे, शिक्षाविद हिलाल उद्दीन लस्कर, प्रख्यात पत्रकार विकास चक्रवती, सामाजिक कार्यकर्ता शांतनु दास, सांस्कृतिक आयोजक निखिल पाल, व्यवसायी महावीर प्रसाद जैन और पुस्तक के लेखक प्रदीप दत्ता रॉय उपस्थित थे। वक्ताओं ने पुस्तक की विषयवस्तु, बंगाली समाज के इतिहास, पहचान, भाषा और भविष्य पर विस्तार से चर्चा की।अतिन दास ने कहा कि २१ जुलाई बंगाली समाज के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है, क्योंकि इस

दिन दूसरा बराक भाषा शहीद दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि भाषा शहीदों के बलिदानों का उचित मूल्यांकन और बंगाली भाषा के संरक्षण के लिए अधिक प्रभावी पहलों की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि १९ मई, १९६१ को सिलचर रेलवे स्टेशन पर पुलिस फायरिंग की घटना की जांच के लिए गठित आयोग की रिपोर्ट अभी तक प्रकाशित नहीं हुई है।उन्होंने आगे कहा कि छोटी-बडी हर तरह की किताबें समाज को विचारों की एक नई दिशा दिखाती हैं। उनके अनुसार, 'तीन भुवनेर बंगाली' पुस्तक ने बंगाली समाज के विभिन्न संकटों, चुनौतियों और संभावनाओं को महत्वपूर्ण रूप से उजागर किया है। उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि समाज में एकता और आपसी सहयोग की कमी ही कई मौजूदा समस्याओं की जड. है।विकास चक्रवती ने पुस्तक को बंगाली समाज के वर्तमान और भविष्य पर एक महत्वपूर्ण दस्तावेज बताया। निखिल पाल ने अन्याय के खिलाफ लगातार मुखर रहने के लिए लेखक प्रदीप दत्ता रॉय की प्रशंसा की। सामाजिक कार्यकर्ता शांतनु दास ने भी लेखक के सामाजिक सेवा में योगदान का उल्लेख किया।

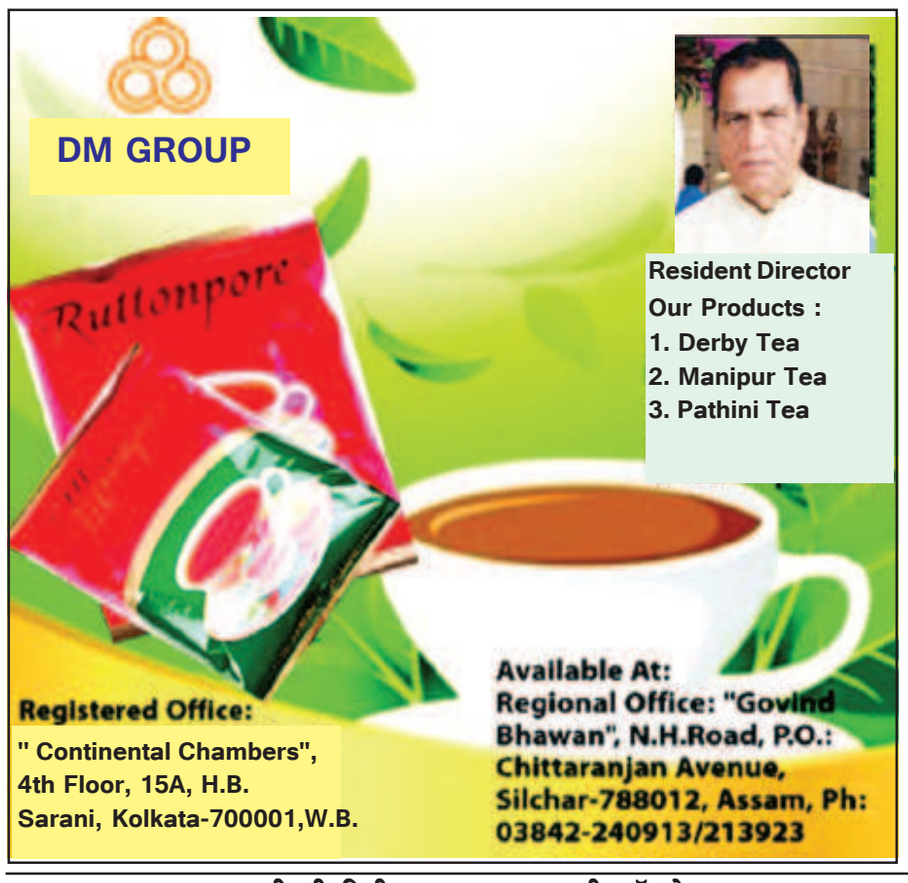

गुप्त नवरात्रि अष्टमी पर महेश्वरी महिला संगठन का सेवा कार्य, दुर्गा मंदिर को भेंट की अलमारी।।

प्रे.सं.उत्तर लखीमपुर, २१ जुलाई। गुप्त नवरात्रि अष्टमी के पावन अवसर पर महेश्वरी महिला संगठन, उत्तर लखीमपुर द्वारा दुर्गा मंदिर में सेवा एवं धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संगठन की अध्यक्षा श्रीमती सरिता तापडिय़ा सहित सरोज मालपानी, सरिता लाहोटी, रेखा चांडक, ममता गग्गर, संतोष राठी, अंजू बजाज, सुनीता झावर, सुमन तापडिय़ा एवं सरिता जाजू उपस्थित रहीं। इस अवसर पर गुप्त दान के रूप में दुर्गा मंदिर को एक अलमारी भेंट की गई।सेवा कार्यक्रम के तहत ३५ कन्याओं एवं २ भैरव को श्रद्धापूर्वक भोजन कराया गया। साथ ही उपस्थित सभी कन्याओं एवं श्रद्धालुओं को जूस, फल और छाते वितरित किए गए।इसके अलावा, श्री जगन्नाथ मंदिर में प्रसाद स्वरूप १५ किलोग्राम खिचडी भी अर्पित की गई।महेश्वरी महिला संगठन ने बताया कि यह सेवा कार्य सभी सदस्यों के सहयोग, समर्पण और सहभागिता से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। संगठन ने भविष्य में भी इसी प्रकार समाजसेवा और धार्मिक गतिविधियों को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वामी श्री दिलीप कुमार द्वारा भारती ऑफसेट मुद्रणालय, कटहल रोड, शिलचर-05 (असम) से मुद्रित व प्रकाशित, सम्पादक-श्रीमती सीमा कुमार, Ph & Fax (03842) 242633, (M) 9435213512